भोपाल, सोमवार
17 मार्च 2025

दैनिक मध्य स्वर्णिम

सच्ची ख़बर, सबकी ख़बर...

वर्ष - 12 अंक-200 पृष्ठ-08 मूल्य-₹02

यह क्यूआर कोड स्कैन कर हमें पाएं अपने स्मार्ट फोन पर...
Scan QR Code to Read ePaper
www.madhyaswarnim.com

राजगढ़ में स्थापित होंगे 500 करोड़ की लागत से नए उद्योग: डॉ. यादव

275 किमी लंबी रामगंज मंडी-भोपाल रेल लाइन से बढ़ेगी मध्यप्रदेश-राजस्थान की कनेक्टिविटी

भोपाल। डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राजगढ़ में लगभग 500 करोड़ के निवेश से विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक इकाइयाँ स्थापित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि हाल ही में राजधानी भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रदेश में 30 लाख करोड़ रूपये के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इससे प्रदेश का प्रत्येक अंचल लाभान्वित होगा। स्कूलों में शिक्षकों के पदों सहित पुलिसकर्मियों के रिक्त पदों की पूर्ति की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजगढ़ जिला अस्पताल के बाद शीघ्र मेडिकल कॉलेज की सौगात भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि पौने तीन सौ किलोमीटर लंबी रामगंज मंडी से भोपाल तक की रेल लाइन की सौगात इस क्षेत्र को मिल रही है। विकास का कारवां निरंतर चलता रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में स्वामित्व योजना, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, खाद्य प्र-संस्कृत इकाई योजना सहित विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ प्रदान किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को राजगढ़ में शौर्य स्मारक जिला अस्पताल के लोकार्पण और रैन बसेरा भवन, नए विद्यालय भवन और विधि महाविद्यालय के भूमि-पूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाड़ली लक्ष्मी, लाड़ली बहना योजना, उज्जवला रसोई गैस योजना, नि:शुल्क अन्न वितरण सहित अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रत्येक क्षेत्र में विकास का यज्ञ चल रहा है। उन्होंने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में हेलीपेड प्रारंभ किए जाएंगे।

टीकाकरण, बच्चों की गंभीर बीमारियों से सुरक्षा कर बढ़ाता है उनकी इम्युनिटीः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वस्थ बचपन, सशक्त भविष्य का आधार है। टीकाकरण बच्चों को गंभीर बीमारियों से बचाकर उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को मजबूत बनाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस पर बच्चों को गंभीर बीमारियों से बचाने के लिए प्रदेशवासियों से टीकाकरण अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस पर उत्तम स्वास्थ्य और स्वस्थ भारत के लिए टीकाकरण के शत-प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति के लिए सहभागिता करने का संकल्प लेने का आव्हान किया है।

राम मंदिर ट्रस्ट ने 5 साल में खर्च किए 2150 करोड़

आयोध्या। यूपी के अयोध्या में रविवार को मणिरामदास की छावनी में रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास ने की। बैठक में ट्रस्ट ने आय-व्यय की रिपोर्ट प्रस्तुत की। रामजन्मभूमि परिसर पर पांच सालों में 2150 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। मंदिर निर्माण पर अकेले 1200 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। पांच सालों में ट्रस्ट ने सरकार को 400 करोड़ का भुगतान किया है।

राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि पांच फरवरी 2020 को ट्रस्ट का गठन हुआ। 28 फरवरी 2025 तक पांच वर्षों में ट्रस्ट के एकाउंट से सरकार की विभिन्न एजेंसियों को 396 करोड़ रुपये का भुगतान हुआ है। 272 करोड़ सरकार को जीएसटी के रूप में गया है। 39 करोड़ टीडीएस सरकार के एकाउंट में जमा हुआ है। 14 करोड़ लेबर सेस का जमा हुआ है। पीएफ, ईएसआई पर लगभग 7.4 करोड़ रुपये दिया गया है। इंश्योरेंस पॉलिसी के लिए चार करोड़ रुपये दिए गए हैं। जन्मभूमि के नक्शे को स्वीकृत कराने के लिए पांच करोड़ का भुगतान हुआ। अयोध्या में जमीनें खरीदी हैं। जितने मूल्य की खरीदी, उस पर स्टांप ड्यूटी दी गई है। इस पर करीब 29 करोड़ दिए गए हैं। 10 करोड़ बिजली के बिल के रूप में जमा हुए हैं। 14.90 करोड़ रॉयल्टी के रूप में सरकार को दिया गया है। पत्थर, गिट्टी, ग्रेनाइट जहां से आई, वहां की सरकार को भी रायल्टी दी गई है।

बोडो समझौते का कांग्रेस ने मजाक उड़ाया, लेकिन इससे शांति आईः अमित शाह

गुवाहाटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने जब बोडो समझौते पर हस्ताक्षर किए तो कांग्रेस ने उसका मजाक उड़ाया था लेकिन इससे क्षेत्र में शांति स्थापित हुई और विकास को गति मिली।

शाह ने असम के कोकराझार में ऑल बोडो स्टूडेंट्स यूनियन (एबीएसयू) के 57वें वार्षिक सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम बोडोलैंड में स्थापित शांति का संदेश है। मुझे याद है कि 27 जनवरी 2020 को जब बीटीआर (बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र) शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे तो कांग्रेस पार्टी मेरा मजाक उड़ाती थी कि बोडोलैंड में कभी शांति नहीं होगी और यह समझौता मजाक बनकर रह जाएगा लेकिन असम सरकार और केंद्र इस समझौते की करीब 82 प्रतिशत शर्तों को लागू कर चुकी है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार अगले दो वर्षों में समझौते की 100 प्रतिशत शर्तों को लागू करेगी। इसके बाद बीटीआर क्षेत्र में लंबे समय तक शांति बनी रहेगी।

गृह मंत्री ने कहा कि समझौते के प्रावधानों के तहत 1 अप्रैल, 2022 को पूरे बोडोलैंड क्षेत्र से सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफस्पा अधिनियम) को हटा दिया गया है। आज दिल्ली के होटल में वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के तहत बोडोलैंड का कोकराझार का मशरूम सबके खाने का हिस्सा बन गया है, यह इसलिए हुआ क्योंकि यहां शांति है।

पाकिस्तान से शांति की हर कोशिश को मिली दुश्मनी और धोखा : पीएम मोदी

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत की हर शांति पहल को पाकिस्तान ने दुश्मनी और विश्वासघात से जवाब दिया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस्लामाबाद के नेता समझदारी दिखाएंगे और भारत के साथ संबंध सुधारने का रास्ता अपनाएंगे। पीएम मोदी ने यह बातें अमेरिकी पॉडकास्ट होस्ट लेक्स फ्रिडमैन के साथ एक इंटरव्यू में कहीं है। पीएम मोदी ने 2014 में अपने शपथ ग्रहण समारोह में पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को आमंत्रित किया था। उन्होंने कहा, इसका मकसद दोनों देशों के रिश्तों में नई शुरुआत करना था, लेकिन हर बार हमें सिर्फ धोखा और दुश्मनी मिली।

पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि पाकिस्तान के आम लोग भी शांति चाहते हैं, क्योंकि वे भी आतंकवाद, हिंसा और अस्थिरता से परेशान हैं। उन्होंने कहा, निर्दोष बच्चों की हत्या हो रही है, अनगिनत जिंदगियां बर्बाद हो रही हैं। कोई भी सामान्य नागरिक ऐसा माहौल नहीं चाहता। 2014 में दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) के सभी नेताओं को बुलाने का फैसला भारत की मजबूत कूटनीति का प्रमाण था। इस लेकर पीएम मोदी ने कहा, %हमारे तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने भी इसे ऐतिहासिक क्षण बताया था।

पीथमपुर में यूका कचरे के तीन ट्रायल रन के बाद भस्मक बंद

27 मार्च को कोर्ट में प्रस्तुत होगी रिपोर्ट

इंदौर। भोपाल से लाए गए 337 टन कचरे में से तीस टन कचरे का निपटान हो चुका है। इस दौरान हानिकारक गैसें ज्यादा नहीं निकली, लेकिन अभी कचरे की राख को लैंडफील नहीं किया गया है।

उसे रामकी संयंत्र में ही सुरक्षित रखा गया है। तीनों ट्रायल रन की रिपोर्ट अब 27 मार्च को होने वाली जबलपुर हाईकोर्ट की सुनवाई में प्रस्तुत की जाएगी। तीन टन कचरे के बाद फिलहाल भस्मक बंद है। कोर्ट के निर्देशों के बाद फिर बचे कचरे के निष्पादन की कार्ययोजना तैयार होगी। उधर कचरा जलाने का विरोध कर रही पीथमपुर बचाओं समिति का कहना है कि कचरा का क्लिनिकल ट्रायल होना चाहिए। कचरे को जलाने के बाद बची राख और निपटान के बाद भस्मक से डिस्चार्ज किए गए पानी की भी जांच के बारे में प्रदूषण नियंत्रण मंडल कुछ नहीं कह रहा। राख का निपटान कैसे होगा इस बारे में भी नहीं बताया जा रहा है। समिति के हेंमत कुमार हिरोले ने कहा कि समिति भी अपना पक्ष हाईकोर्ट में रखेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भोपाल से लाए गए कचरे में मर्करी भी है, जो घातक न्यूरोटॉक्सिन है, लेकिन रिपोर्ट में उसकी मात्रा का जिक्र नहीं है।

ज्यादा से ज्यादा आईएएस और आईपीएस मुस्लिम बनेंगे तभी समाज का हित होगा: गडकरी

मुंबई। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि वह सार्वजनिक संवाद में जाति और धर्म को नहीं लाते हैं। उन्होंने कहा कि वह ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि उन्हें विश्वास है कि लोग समाज की सेवा को सबसे ऊपर मानते हैं। गडकरी ने अपनी चुनावी यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि जो करेगा जात की बात, उसको मारूंगा लात। गडकरी ने यह भी कहा कि उन्होंने यह विचार चुनाव हारने या मंत्री पद खोने की परवाह किए बिना जारी रखा।

गडकरी ने यह भी याद किया कि जब वह एमएलसी थे तब उन्होंने अंजुमन-ए-इस्लाम संस्थान (नागपुर) इंजीनियरिंग कॉलेज की अनुमति दी। उन्हें महसूस हुआ कि उन्हें इसकी ज्यादा जरूरत थी। उन्होंने कहा, अगर मुस्लिम समुदाय से ज्यादा इंजीनियर, आईपीएस और आईएएस अधिकारी निकलते हैं तो सभी का विकास होगा। हमारे पास पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का उदाहरण है। गडकरी ननमुदा संस्थान के दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे।

यहां उन्होंने कहा, हम कभी भी इन चीजों (जाति/धर्म) पर भेदभाव नहीं करते। मैं राजनीति में हूं और यहां बहुत कुछ कहा जाता है। लेकिन मैंने तय किया कि मैं अपने तरीकों से काम करूंगा और यह नहीं सोचूंगा कि मुझे कौन वोट देगा। उन्होंने आगे कहा, मेरे दोस्तों ने कहा कि आपको ऐसा नहीं कहना चाहिए था, लेकिन मैंने यह सिद्धांत जीवन में अपनाने का निर्णय लिया। अगर मैं चुनाव हार गया या मुझे मंत्री पद नहीं मिला तो भी मुझे कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

आदेश | नेता प्रतिपक्ष के सवाल पर उच्च शिक्षा मंत्री ने मानी गलती

प्रदेश की 15 यूनिवर्सिटी के कुलगुरु हटेंगे

भोपाल। मध्य प्रदेश की 32 यूनिवर्सिटियों में कुलगुरु की नियुक्तियों को लेकर सवाल उठे हैं। इनमें से 15 विश्वविद्यालयों में प्रभारी कुलगुरु नियुक्त किए गए हैं और इन्हें पद से हटाने के लिए मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग ने राज्य सरकार से अनुशंसा की है।

मध्य प्रदेश की 32 विश्वविद्यालयों में कुलगुरु की नियुक्तियों को लेकर सवाल उठे हैं। दरअसल यह मामला विधानसभा में उठ चुका है। मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग ने राज्य सरकार को 32 विश्वविद्यालयों के कुलगुरु की नियुक्तियों को अवैध बताते हुए उनको हटाने की अनुशंसा की थी, जिस पर राज्य सरकार ने आयोग को दोबारा अपने फैसले का पुनरीक्षण करने का सुझाव दिया। इसके बाद आयोग ने 15 यूनिवर्सिटी के कुलगुरु को मान्यता दे दी, लेकिन 15 प्रभारी कुलगुरुओं को हटाने को कहा गया है। इस मामले में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि 15 कुलगुरु जल्द हटेंगे। मंत्री ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के सवाल के जवाब में लिखित में यह गलती स्वीकार की। उन्होंने कहा कि कुछ जगह मानकों के विपरीत कुलगुरु पदस्थ हैं।

आर्ट्स के प्रोफेसर नौ साल से विज्ञान कॉलेज के प्राचार्य

प्रदेश के कॉलेजों में जहां प्राध्यापकों की कमी है, वहीं ज्यादातर कॉलेजों का संचालन प्रभारी प्रिंसिपलों के सहारे हो रहा है। ऐसे ही एक मामले को लेकर विधानसभा में गत दिवस हंगामा मच गया। दरअसल, विधानसभा में कांग्रेस विधायक लखन घनघोरिया ने जबलपुर जिले का एक मामला उठाया है। उन्होंने बताया कि शासकीय रॉबर्टसन कॉलेज जबलपुर का सबसे अच्छा कॉलेज माना जाता रहा है, लेकिन दो विंग में बंटे कॉलेज में स्थिति यह है कि आर्ट्स फैकल्टी का प्रोफेसर साइंस कॉलेज विंग में नौ साल से प्राचार्य बना बैठा है। घनघोरिया ने यह भी कहा कि साइंस का जूलॉजी का व्याख्याता महाकौशल आर्टस कॉलेज का प्रिंसिपल है।

मप्र सरकार फिर लेगी कर्ज, जीतू पटवारी ने उठाए सवाल

कर्ज से मंत्रियों के बंगले चमकाने का हो रहा काम

भोपाल। प्रदेश सरकार योजनाओं को संचालित करने के लिए लगातार कर्ज पर कर्ज ले रही है। सरकार 19 मार्च को फिर 6 हजार करोड़ का कर्ज लेने जा रही है। रंग पंचमी के दिन एमपी सरकार इस साल में तीसरी बार बाजार से कर्ज लेगी। प्रदेश में बढ़ रहे कर्ज को लेकर कांग्रेस पार्टी के नेता लगातार सरकार को घेर रहे हैं और सवाल खड़े कर रहे हैं। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने प्रदेश सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि कर्ज से जनहित के काम नहीं किए जा रहे हैं बल्कि मंत्रियों के बंगले सुधारे जा रहे हैं। मध्य प्रदेश से ऐसा राज्य है, जहां जब बच्चा पैदा होता है तो 60 हजार का कर्जदार होता है। पटवारी ने दावा किया कि प्रदेश पर 5 लाख करोड़ का कर्ज है। समझ में नहीं आता मध्य प्रदेश सरकार आखिर कर्ज किस लिए ले रही है? कर्ज लेकर जनहित की योजनाएं संचालित नहीं की जा रहीं, बल्कि इस राशि का प्रयोग मंत्रियों के बंगले चमकाने में होता है।

@खबर संक्षेप

एआर रहमान सीने में दर्द के चलते अस्पताल में भर्ती

चेन्नई। मशहूर संगीतकार और ऑस्कर विजेता एआर रहमान को सीने में दर्द की शिकायत के बाद चेन्नई के ग्रीम्स रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 58 वर्षीय संगीतकार को अपोलो अस्पताल में चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है, जहां उनकी स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। सूत्रों के अनुसार, एआर रहमान ने अचानक सीने में असहजता महसूस की, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों की एक टीम उनकी स्वास्थ्य जांच में जुटी हुई है और उनकी सेहत को लेकर फिलहाल कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है। रहमान के परिवार और करीबी मित्रों को उनकी हालत को लेकर चिंता है, लेकिन वे डॉक्टरों की टीम पर पूरा भरोसा जता रहे हैं। उनके प्रशंसक भी उनकी सेहत को लेकर चिंतित हैं और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। प्रशंसकों की दुआएं और समर्थन जैसे ही यह खबर सामने आई, सोशल मीडिया पर उनके प्रशंसकों और बॉलीवुड के कई बड़े सितारों ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए पोस्ट साझा किए हैं।

आज से उपराष्ट्रपति धनखड़ संसद की कार्यवाही में होंगे शामिलः जयराम रमेश

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के स्वस्थ होने के बाद सोमवार से राज्यसभा की कार्यवाही में शामिल होने की खबर सामने आई है। दरअसल कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए इस संबंध में जानकारी दी है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने उपराष्ट्रपति धनखड़ के साथ वाली एक तस्वीर साझा करते हुए सोशल मीडिया पर कहा, कि आज माननीय उपराष्ट्रपति जी से उनके निवास पर मुलाकात हुई। यह जानकर खुशी हुई कि वे तेजी से स्वस्थ हो रहे हैं और आगामी सोमवार, 17 मार्च से राज्यसभा की कार्यवाही की अध्यक्षता पुन: संभालने के लिए तैयार हैं।
गौरतलब है कि उपराष्ट्रपति धनखड़ को 9 मार्च को सीने में दर्द और बेचैनी की शिकायत के बाद एम्स, दिल्ली में भर्ती कराया गया था। कार्डियोलॉजी विभाग प्रमुख डॉ. राजीव नारंग की देखरेख में उनका इलाज हुआ। स्टेंट प्रत्यारोपण के बाद उनकी हालत स्थिर हुई और 12 मार्च को उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एम्स जाकर धनखड़ का हालचाल जाना था।

जनसंख्या के आधार पर परिसीमन दक्षिणी राज्यों के साथ अन्यायः खरगे

कर्नाटक। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि यदि परिसीमन जनसंख्या के आधार पर होगा तो यह दक्षिणी राज्यों के साथ अन्याय होगा। ऐसा करने से लोकसभा में दक्षिणी राज्यों का प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा। उन्होंने लोगों से इस अन्याय के खिलाफ एकजुट होने की अपील की। पूर्व मंत्री दिवंगत केएच पाटिल के शताब्दी समारोह में उन्होंने केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि जनसंख्या के आधार पर परिसीमन की योजना बनाई जा रही है। इसके जरिये दक्षिण भारत में संसदीय और विधानसभा सीटों की संख्या कम करने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि उत्तरी राज्यों में प्रतिनिधित्व 30 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद है। ऐसी खबरें सामने आ रही हैं। हमें इंतजार करना चाहिए। अगर ऐसा हुआ तो यह अन्याय होगा। हमें इस अन्याय के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार सहकारी संघवाद की बात करती है। अगर सहकारी संघवाद है तो लोगों को उनके हक का पैसा क्यों नहीं मिल रहा है? कर्नाटक में सहकारी समितियों को राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) से उचित धन नहीं मिल रहा है। इसमें 58 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने कर्नाटक के लोगों से एकजुट होने और अन्याय के खिलाफ लड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जब मुद्दा कर्नाटक और उसके विकास से जुड़ा हो तो सभी को एक स्वर में बोलना चाहिए। केंद्र सरकार पर विभिन्न संस्थानों में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र को वह महत्व नहीं मिल रहा है जिसका वह हकदार है। शिक्षा के लिए केंद्रीय वित्त पोषण में कटौती का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि जितने रिक्त पद भरे जाने चाहिए, जितने शिक्षकों की नियुक्ति की जानी चाहिए, उनमें से 50 प्रतिशत पद रिक्त रह जाते हैं। यदि केंद्रीय विश्वविद्यालयों, आईआईटी, आईआईएम और केंद्रीय विद्यालयों में 50 प्रतिशत पद खाली रहेंगे तो हमारे बच्चे कैसे पढ़ेंगे और आगे बढ़ेंगे?

@POLYTOON

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

गांगीवाडा से गुम हुई बाईक कोसमी के जंगल में पुलिस को मिली

परासिया(मध्य स्वर्णिम)। गांगीवाडा से गुम हुई बाईक पुलिस को कोसमी के जंगल में खडी मिली। पुलिस को बाईक जंगल में खडी होने की सूचना मिली। इसके बाद गुम हुई बाईक के मालिक को बुलाकर पहचान कराई गई। रविवार को पांच बजे गाडी मालिक ने परासिया थाने आकर बाईक की पहचान कर ली। गांगीवाडा निवासी रामनाथ प्रजापति की पल्सर बाईक 14 मार्च को घर के सामने से चुराई गई थी। घटना सीसी टीवी फुटेज में रिकार्ड हुई थी। चौदह मार्च को पांच बजकर अठारह मिनट पर बाईक चोरी गई थी। घटना की सूचना देहात थाने में दी गई थी। परासिया एसडीओपी जितेंद्र सिंह जाट, टीआई जगोतिन मसराम के मार्गदर्शन में आरक्षक विपिन पांडे ने बाईक की पतासाजी की। रविवार को बाईक कोसमी के जंगल में खडी मिली। इस बाईक को परासिया थाने लाया गया। इसकी नंबर प्लेट आरोपियों ने हटा दी थी। पुलिस ने तीसरे दिन बाईक को तलाशने में सफलता प्राप्त की।

चांदामेटा में कचरा जलाने से बांस के झुरमुट में लगी आग

परासिया(मध्य स्वर्णिम)। चांदामेटा नगर परिषद के वार्ड क्रमांक चार में किसी अज्ञात व्यक्ति ने कचरा जला दिया। कचरा जलने से उंची लपटे उठी और बांस के झुरमुट में आग लग गई। झुरमुट से आग आसपास के घरों को नुकसान पहुंचा सकती थी। परासिया नगर पालिका के फायर फाईटर वाहन ने जाकर आग पर काबू पाया। जिससे बडी दुर्घटना टल गई।
घटना रविवार को दो बजे के आसपास की है। चांदामेटा नगर परिषद का फायर फाईटर वाहन उपलब्ध नहीं था।परासिया का वाहन बुलाया गया। तत्काल वाहन को भेजा गया। दल ने जाकर आग पर काबू पा लिया।

रातापानी टाइगर रिजर्व में पर्यटकों को दिखा बाघ, टूरिस्ट्स ने कैमरे में कैद किया

रायसेन(मध्य स्वर्णिम)। रातापानी टाइगर रिजर्व में रविवार को पर्यटकों को एक बाघ दिखाई दिया। मुख्य सड़क से कुछ ही दूरी पर एक बाघ को घूमते हुए देखा गया। पर्यटकों ने इस अद्भुत क्षण को अपने कैमरे में कैद कर लिया। बाघ का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पर्यटकों के लिए यह एक अविस्मरणीय अनुभव रहा। बाघ को इतनी नजदीकी से देखने का अवसर मिलने पर सैलानी बेहद उत्साहित थे। रिजर्व में आए दिन सड़क किनारे बाघों की चहल-कदमी देखी जाती है। बता दें कि रातापानी टाइगर रिजर्व में 90 से अधिक बाघों का निवास है। चिकलोद और आसपास के क्षेत्रों में बाघों की उपस्थिति आम बात है। हाल ही में बाड़ी और उसके आसपास के क्षेत्र में भी सड़क किनारे एक बाघ को देखा गया था।

सरकारी स्कूलों में कक्षा 9 में ड्रॉप-आउट दर को कम करने के लिये ब्रिज कोर्स

रायसेन(मध्य स्वर्णिम)। प्रदेश में सरकारी स्कूलों में कक्षा 9वीं में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों में अध्ययन के स्तर और दक्षता को सुधारने के लिये स्कूल शिक्षा विभाग ब्रिज कोर्स का संचालन कर रहा है। इसके लिये हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित विषय के 9 हजार 312 रिसोर्सपर्सन तैयार किये गये हैं। इनका प्रशिक्षण भोपाल के वाल्मी संस्थान में फरवरी माह में कराया जा चुका है। प्रदेश में 4 हजार 200 हाई स्कूल और 4 हजार 100 हायर सेकेण्डरी सरकारी स्कूल हैं। अब इन स्कूलों में हिन्दी,अंग्रेजी एवं गणित के एक-एक शिक्षक को प्रशिक्षण देने की व्यवस्था मार्च माह से शुरू कर दी गई है। प्रदेश में लगभग 27 हजार शिक्षकों को ब्रिज कोर्स का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ब्रिज कोर्स के माध्यम से सरकारी स्कूलों को ड्रॉप.आउट दर को कम करने में मदद मिलेगी।

वरिष्ठजनों के लिये उम्मीदों की किरण बना भरण-पोषण अधिनियम

रायसेन(मध्य स्वर्णिम)। वरिष्ठजनों के लिये भरण-पोषण अधिनियम-2007 सहायक बन कर सामने आया है। जिस प्रकार उम्र बढ़ने पर सहारे के लिये लाठी की आवश्यकता होती है,ठीक उसी प्रकार यह अधिनियम वरिष्ठजनों के लिये सहारे की लाठी बन कर उभरा है। अधिनियम का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठजनों और अभिभावकों को समर्थन प्रदान करने वाली व्यवस्था की रचना करना हैए जिससे वे एक विशेष ट्रिब्यूनल ;अधिकरण के समक्ष निर्धारित 90 दिन की समय-सीमा के अंदर भरण-पोषण के अधिकार को सुलभता और शीघ्रता से प्राप्त कर सकें।

जिले में 152 खरीदी केंद्र बनाए, अधूरी तैयारियों से नही हुई गेंहू खरीदी शुरू

15 मार्च से होना थी समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी,लेकिन अभी तक तय नही हुए खरीदी केंद्र

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

जिले में इस बार गेहूं समर्थन मूल्य 2425+175-2600 रुपए प्रति क्विंटल के रेट पर खरीदा जाएगा। शासन के निर्देशों के मुताबिक 15 मार्च गेहूं खरीदी के लिए पहला दिन था, लेकिन जिले में अभी यह भी तय नहीं हो पाया कि कौन सी समिति किस केंद्र (वेयरहाउस) पर खरीदी करेगी। इसके चलते खरीदी की बात तो दूर है, गेहूं खरीदने वाली समितियों के सामने ही असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

बताया गया कि जिले में 152 खरीदी केंद्र बनाए जा चुके हैं, लेकिन अभी वेयरहाउस संचालकों से अनुबंध का काम नहीं हो पाया है। यानी कि जिन वेयरहाउस संचालकों ने केंद्र बनाए जाने के लिए आवेदन किया हैए उसी के आधार पर अभी केंद्र बनाया जाना माना जा रहा है। जबकि वेयरहाउस एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष राहुल पटेल कहते हैं, अभी वेयरहाउस संचालकों ने केंद्र बनाए जाने के लिए ऑनलाइन आवेदन तो किए हैं, लेकिन अभी अनुबंध नहीं किए हैं। रंग पंचमी के बाद एसोसिएशन की भोपाल में बैठक होगी। वहां चर्चा के बाद जो गाइडलाइन तय होगी,उसका पालन सभी जगह किया जाएगा।

जिले नही हुई समर्थन मूल्य पर गेंहू खरीदी शुरू

जिले में शासन द्वारा 15 मार्च से समर्थन मूल्य पर गेंहू खरीदी शुरू होना थी लेकिन समिति ही तय नहीं, इसलिए स्लॉट भी बुक नहीं हुई और शासन द्वारा 15 मार्च समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी शुरू नही हुई है। लेकिन जिले में अधूरी तैयारियों के चलते किसान स्लॉट ही बुक नहीं करवा पाए।

ऐसा इसलिए कि किसी समिति को किसी केंद्र पर गेहूं की खरीदी करना है। यह ही तय नहीं हुआ है। इसलिए स्लॉट बुकिंग भी नहीं हुई है। गेहूं सहित रबी की फसलों के उपार्जन के लिए खरीदी केंद्र कलेक्टर की अध्यक्षता वाली समिति तय करती है। इस समिति में जिला आपूर्ति अधिकारी, नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंधक,वेयरहाउसिंग कार्पोरेशन के प्रबंधक, सहकारी उपायुक्त और जिला सहकारी बैंक के सीईओ भी समिति के सदस्य होते हैं।

खरीदी केंद्रों पर नही पहुचें बारदाने

जिले में समर्थन मूल्य पर गेंहू खरीदी के लिए152 खरीदी केंद्र बनाए गए है,लेकिन अभी तक खरीदी केंद्रों पर बारदाने भी नहीं पहुंचाए गए नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा गेहूं खरीदी के लिए केंद्रों पर बारदाने उपलब्ध कराए जाते हैं, लेकिन गेहूं खरीदी के पहले दिन तक बनाए गए खरीदी केंद्रों पर बारदाने उपलब्ध नहीं हो पाए थे। जबकि जिले को वारदाने मिल चुके हैं। जानकारी के मुताबिक जिलों को बारदानों की 19 हजार गठानें मिली हैं। एक गठान में 500 वारदाने होते हैं, लेकिन इन्हें अभी तक खरीदी केंद्रों पर नहीं भेजा गया है। आगामी दिनों में केंद्रों पर वारदाने भेजने की बात जिम्मेदार कह रहे हैं।

इनका कहना है

जिले में 152 खरीदी केंद्र बनाए गए हैं। हालांकि अभी ये तय करना है कि कौन सी समिति किस केंद्र पर खरीदी करेगी। वेयरहाउस संचालकों से अनुबंध भी किए जाना है। पहले दिन गेहूं की खरीदी जिले में नहीं हुई है। आगामी दिनों में शुरू हो जाएगी।.

राजीव कातुलकर
जिला आपूर्ति अधिकारी रायसेन

पेंच ईस्ट में खेत में चोरी की नियत से घुसे थे युवक

एक आरोपी धराया, पुलिस ने न्यायालय में पेश किया

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

रावनवाडा शिवपुरी थाना क्षेत्र के पेंच ईस्ट में चोरी की नियत से खेत में घुसे युवकों में से पुलिस ने एक आरोपी को पकडा। शनिवार को चार बजे पुलिस ने न्यायालय में इन्हें पेश किया।

दो आरोपी खेत में घुसकर चोरी का प्रयास कर रहे थे। सीसी टीवी फुटेज में आरोपी कैद हुए। शुक्रवार को इनमें से एक कों पेंच ईस्ट में ही शराब पीकर घूमते पकडा गया। आज इन्हें न्यायालय में पेश कर दिया गया। घटना को लेकर मिली जानकारी के अनुसार रावनवाडा शिवपुरी थाना क्षेत्र के पेंच ईस्ट में ट्रांसपोर्टर अरविंद चौबे का खेत है। इस खेत में पेंच ईस्ट निवासी दो युवक घुसने का प्रयास कर रहे थे। खेत में लगे टीन शेड को तोडा गया। दीवार तोड दिए। सीसी टीवी कैमरा निकालकर ले गए। घटना की सूचना पुलिस से की गई।

पुलिस ने आरोपियों में से एक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। घटना सीसीटीवी में कैद होने से आरोपियों की पहचान हो गई। आरोपियों ने केले के पेड तोड दिए। पिलर तोडे। टीन निकालने का मकसद पूरा नहीं हो पाया। लाईट खोलकर आरोपी ले गए। पुलिस को घटना का सीसी टीवी फुटेज सौंपा गया है।

रावनवाड़ा शिवपुरी थाना क्षेत्र के सहपानी में सागौन के पेड़ पर लटका मिला शव

गमछे से बनाया फांसी का फंदा

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

रावनवाड़ा शिवपुरी थाना क्षेत्र के सहपानी गांव में 45 साल के अधेड़ का शव घर के समीप ही सागौन के पेड़ से लटका हुआ पाया गया ।गमछे से बने फंदे पर शव लटका हुआ था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

मृतक अशोक परानी गांव का ही निवासी था ।शनिवार की रात उसे देखा गया था। रविवार को सुबह गांव के लोगों ने सागौन के पेड़ पर फंदे पर लटकते हुए उसका शव देखा ।घटनास्थल उसके घर से 200 मीटर दूर है। मृतक शराब का आदी बताया जा रहा है ।परिवार के लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने शव को उतरवाया ।

गमछे को जबत किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा ।पुलिस इस मामले की जांच कर रही है । सहपानी गांव परासिया छिंदवाड़ा मार्ग पर कोसमी मंदिर के पीछे पलट वाडा रोड पर स्थित है। बताया जाता है कि मृतक इससे पहले दो बार आत्महत्या का प्रयास कर चुका है। हर बार उसे बचा लिया गया। इस बार फिर उसने प्रयास किया और उसे बचाया नहीं जा सका।

मंत्री का पुतला पैरो से कुचलने का मामला

भाजपा ने थाना प्रभारी पर कार्रवाई की मांग की

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

उमरेठ भारतीय जनता पार्टी ने भाजपा जिलाध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उमरेठ थाना प्रभारी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की गई। उमरेठ में 11 मार्च को कांग्रेस ने प्रहलाद पटेल का पुतला दहन किया था। इस कार्यक्रम में कांग्रेस से पुतला छीनने के दौरान उमरेठ थाना प्रभारी ने पुतला छीनकर जूतों से कुचलकर आग बुझाने का प्रयास किया था।

कांग्रेसियो ने बाजार चौक उमरेठ में केबीनेट मंत्री का पुतला दहन कार्यक्रम किया था ।उमरेठ भाजपा अध्यक्ष ने रविवार को तीन बजे बताया कि कार्रवाई के लिए ज्ञापन सौंपा गया है।

उमरेठ में पुतला दहन के दौरान पुलिस ने पुतला जलाने से रोका। पुतला छीनने के प्रयास में कांग्रेस ने पुतले मे आग लगा दी। तब टीआई ने पुतला छीनकर आग बुझाने के लिए जूतों का इस्तेमाल किया था। उमरेठ भाजपा मण्डल ने इस पर आपत्ति व्यक्त कर आपत्ति जताई। पैरो से कुचलकर आग बुझाने के प्रयास को गलत बताया ।उक्त घटना को लेकर उमरेठ भाजपा का एक प्रतिनिधि मंडल भाजपा जिला अध्यक्ष शेषराव यादव से मिला।

मंत्री के पुतले को कुचलकर बुझाने के मामले में टीआई को हटाने की मांग की` भाजपा मण्डल अध्यक्ष रामप्रसाद कुमरे, सरपंच उमरेठ मुकेश सोनी, उपसरपंच विशाल बन्देवार, सचिन कुशवाह, रोहित साहू, मंगल पवार, पंकज चौरसिया, विकाश साहू, आदी मौजूद रहे।

उमरेठ में मेघनाद के कटे सिर वाली देह पर मन्नत पूरी करने जुटे आदिवासी

खंडेरा पर बांधकर घुमाए गए वीर

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

उमरेठ में होली की धुरेंडी के दिन से मेघनाद का मेला शुरु हुआ। रविवार को मेले के तीसरे दिन मेधनाद के कटे सिर वाली देह के रूप में खंडेरा का पूजन किया गया। रविवार को शाम सात बजे मन्नत पूरी होने पर वीर को खंडेरा पर बांधकर घुमाया गया। उमरेठ में मेघनाद मेले का इतिहास 275 साल पुराना है। 18 मार्च को मेला खत्म होगा। पांच दिनों के लिए मेला लगता है।

रावण पुत्र मेघनाद की युद्ध में सिर कटकर मौत हुई थी। मेघनाद की उसी तरह की देह के आकार में खंडेरा बनाया जाता है। लोग यहां आकर मन्नत मांगते है। मन्नत पूरी होने पर इसके उपर उस व्यक्ति को बांधा जाता है जिसकी मन्नत मांगी गई थी। उसे चारो ओर हवा में घुमाया जाता है। इस दौरान बली भी दी जाती है। उमरेठ के नेहरू चौक में मां निकुम्बला देवी और खंडेरा बाबा आमने सामने स्थित है। मन्नत जिसकी मांगी जाती है उसे वीर कहते है। कुछ लोग गल पर घूमने की जगह पांच खुटी चढने की मन्नत मांगते है।

मेला समिति के अध्यक्ष ओमकार मालवीय ने कहा कि मेला 275 सालों से उमरेठ में लग रहा है। यह पूरी तरह आदिवासी संस्कृति का मेला है। आदिवासियों की इसके प्रति श्रद्धा है। वीर को खंडेरा बाबा के पास लाकर पूजन अर्चन के बाद खंडेरा पर चढ़ाकर गल पर औंधा कमर से बांधकर हवा में एक से पांच बार तक घुमाया जाता है।

होली दूज पर 24 घंटे घरों में और खेती में नहीं चलते औजार

खंडेरा माता मंदिर में होली दूज पर, चली आ रही विशेष पूजा की परंपरा

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

जिला मुख्यालय से 17 किलोमिटर दूर सागर रोड पर स्थित खंडेरा गांव में होली की दूज पर एक अनोखी परंपरा है। यहां पूर्णिमा के बाद पहली तिथि की रात से ही ग्रामीण घरों और खेती में किसी भी तरह के औजार का उपयोग 24 घंटे के लिए पूरी तरह बंद कर देते हैं। जहां एक ओर घरों में सब्जी भी नहीं काटी जाती, वहीं दूसरी ओर खेतों में फसलों की कटाई और थ्रेसिंग का काम भी इस दौरान पूरी तरह बंद रहता है। होली की दूज को लेकर शनिवार की शाम खंडेरा गांव के सभी लोग छोले वाली माता मंदिर में जमा हुए। वहां पूजन के बाद बकरे की बलि दी गई। बलि के बाद बकरे को एक तरफ रखकर छोड़ दिया गया। इतना ही नहीं, बकरे को मंदिर में ले जाया गया। बकरे को यदि फुरहरी आती है, तो यह मान लिया जाता है कि बलि के लिए देवी की स्वीकृति मिल गई और बकरे की बलि दे दी गई। इसके बाद सभी ग्रामीण अपने-अपने घर वापस लौट गए। परंपरा के मुताबिक मंदिर से घर वापसी के दौरान ग्रामीण पीछे मुड़कर भी नहीं देख सकते। इसी का पालन करते हुए सभी ग्रामीण पूजन के बाद मंदिर से सीधे अपने-अपने घर वापस चले गए।

बर्षो से चली आ रही परंपरा आज भी जारी है

खंडेरा निवासी भगवान प्रसाद दुबे 69 बर्ष के मुताबिक हम पूर्वजों से इस परंपरा के बारे में सुनते आ रहे हैं। उनके अनुसार,सैकड़ों साल पहले क्षेत्र में महामारी फैली थी और बड़ी संख्या में लोग मर रहे थे। एक संत ने तीन शवों को एक साथ ले जाते देखा और पूछताछ की। इसके बाद संत बोले एक मीटर का लाल रंग का कपड़ा ले आओ, उसका झंडा लगाकर यज्ञ करेंगे। यदि झंडा लगते हुए मौतें न रुकें तो यज्ञ के लिए चंदा मत करना। झंडा लगते ही मौतें रुक गईं। इसके चंदे की राशि 7.25 पैसे से सात दिन का यज्ञ किया गया। इसके बाद तेज आवाज आई। देखा तो देवी रथ में सवार होकर जा रही थीं। साधु महाराज ने कहा कि देवी प्रकट हुई हैं। छोले के पेड़ के पास प्रकट हुई,इसलिए नाम पड़ा छोले वाली माता। यज्ञ का समापन दूज के दिन ही हुआ था।

सरकारी स्कूलों में कक्षा 9 में ड्रॉप-आउट दर को कम करने के लिये ब्रिज कोर्स

अप्रैल माह में होगा बेस लाइन टेस्ट

बैतूल। प्रदेश में सरकारी स्कूलों में कक्षा 9वीं में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों में अध्ययन के स्तर और दक्षता को सुधारने के लिये स्कूल शिक्षा विभाग ब्रिज कोर्स का संचालन कर रहा है। इसके लिये हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित विषय के 9 हजार 312 रिसोर्सपर्सन तैयार किये गये हैं। इनका प्रशिक्षण भोपाल के वाल्मी संस्थान में फरवरी माह में कराया जा चुका है। प्रदेश में 4 हजार 200 हाई स्कूल और 4 हजार 100 हायर सेकेण्डरी सरकारी स्कूल हैं। अब इन स्कूलों में हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित के एक-एक शिक्षक को प्रशिक्षण देने की व्यवस्था मार्च माह से शुरू कर दी गई है। प्रदेश में लगभग 27 हजार शिक्षकों को ब्रिज कोर्स का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ब्रिज कोर्स के माध्यम से सरकारी स्कूलों को ड्रॉप-आउट दर को कम करने में मदद मिलेगी। प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षक अप्रैल माह में और 16 जून से 20 जुलाई तक ब्रिज कोर्स का संचालन करेंगे। ब्रिज कोर्स का संचालन सभी सरकारी हाई और हायर सेकण्डरी स्कूलों में होगा। इसके साथ ही इन 3 विषयों के अलावा विज्ञान एवं संस्कृत विषय की पढ़ाई भी इन बच्चों को कराई जायेगी। लोक शिक्षण संचालनालय ने स्कूल में लगने वाली ब्रिज कोर्स की समय-सारणी भी तैयार की है। ब्रिज कोर्स के दौरान ही 5 और 12 अप्रैल को इन विद्यार्थियों का बेस लाइन टेस्ट अंग्रेजी, गणित और हिन्दी में लिया जायेगा। बेस लाइन टेस्ट पेपर 31 मार्च को स्कूल शिक्षा विभाग के 'विमर्श' पोर्टल पर अपलोड कर दिये जायेंगे। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दे दिये गये हैं। तय तिथियों में जो विद्यार्थी किन्ही वजह से टेस्ट नहीं दे पायेंगे, उनके लिये अलग व्यवस्था की गई है।

जिले में बिजली चमकने के साथ हुई बूंदाबांदी,सुबह से छाए बादल

गेहूं-चने की फसलों पर होगा असर, किसानों की चिंता बढ़ी

रायसेन(मध्य स्वर्णिम)। जिले में शनिवार की रात से मौसम बदला और बिजली चमकने लगी। रविवार सुबह करीब 5 बजे बूंदाबांदी हुई, आसमान में घने बादल छा गए। इस बदलते मौसम से किसानों की चिंता बढ़ गई है। बता दें किए इन दिनों खेतों में गेहूं की फसल पकने की कगार पर है। जबकि चने की फसल कई क्षेत्र में कटने भी लगी है। गोपालपुर के किसान सुरेश कुशवाहा ने बताया इस समय बारिश से फसलों को नुकसान की आशंका है। अगर अभी बारिश होती है तो खेतों में खड़ी गेंहू की फसले आड़ी हो सकती है, दाना पतला होगा और कलर पर भी असर पड़ेगा। मौसम में आए बदलाव का असर लोगों की सेहत पर भी दिख रहा है। शनिवार को अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुआ है।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

उप मुख्यमंत्री शुक्ल अहमदाबाद में 'मेगा ब्राह्मण बिजनेस समिट-4' में हुए शामिल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल अहमदाबाद में आयोजित 'मेगा ब्राह्मण बिजनेस समिट-4' में शामिल हुए। समिट में उन्होंने समाज के प्रबुद्ध जनों से संवाद किया और ब्राह्मण समाज के आर्थिक, शैक्षणिक और व्यावसायिक उत्थान पर अपने विचार रखे। समिट में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल, पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र, पूर्व उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल, राज्यसभा सांसद मयंक नायक सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। तीन दिवसीय आयोजन में ब्राह्मण उद्योगपतियों के 300 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं, जहां व्यवसाय और स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने की दिशा में मार्गदर्शन दिया जा रहा है। राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी समाज तक पहुंचाने, नए उद्यमियों को प्रोत्साहित करने और बी-2-बी एवं बी-2-सी बैठकों के माध्यम से व्यापार को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। समिट में समाज के प्रतिभाशाली व्यक्तियों को 'ब्रह्म रत्न सम्मान' प्रदान किया गया। युवक-युवतियों को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिये रोजगार मेले का आयोजन किया गया। समिट में देशभर से 2 लाख से अधिक ब्राह्मण समाज के लोगों ने सहभागिता की। तीन दिवसीय कार्यक्रम में धार्मिक अनुष्ठान, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सामूहिक विवाह मेलों का भी आयोजन किया गया।

लोन की ईएमआई को लेकर तनाव में रह रही विवाहिता ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल। नये शहर के कोलार थाना इलोक में लोन की किस्त चुकाने को लेकर मानसिक तनाव में रह रही विवाहिता ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। बताया गया है की आत्महत्या से पहले ही महिला ने अपने पति और बेटे का साथ खाना खाया था, और उस समय उसने किसी भी तरह की परेशानी का जिक्र नहीं किया था। थाना पुलिस के अनुसार अनीता राजोरिया (38) नगर निगम की अस्थायी कर्मचारी थीं। उनके पति नगर निगम के स्थायी कर्मचारी हैं। शुक्रवार रात घर में पति-पत्नी व बेटे ने साथ में खाना खाया और बाद में सभी सोने के लिए चले गए थे। रात करीब 12 बजे अनीता वॉशरूम जाने के लिये उठी थी। लेकिन जब वह काफी देर तक वापस नहीं लौटी तो तब ने पिता से मॉ को देखने को कहा। पति अनीता को देखने के लिए कमरे से बाहर आया तो घर के बाहर बरामदे में उसे अनीता का शरीर फंदे पर लटका नजर आया। पति और बेटा फौरन ही उन्हें फंदे से उतारकर इलाज के लिये अस्पताल लेकर पहुंचे। वहॉ डॉक्टर ने शुरुआती चेकअप के बाद ही बताया की महिला की मौत हो चुकी है। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिवार वालो को सौंप दिया है। पुलिस का कहना है की मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं महिला है। शुरूआती जॉच में यह बात सामने आई है की अनीता ने दो लोन ले रखे थे, और इन्हें चुकाने को लेकर वह काफी मानसिक तनाव में रहती थी। फिलहाल पुलिस आगे की जॉच कर रही है।

छेड़छाड़ करने वाले मनचले ने स्कूली छात्रा के घर जाकर की मारपीट

भोपाल। बैरागढ़ थाना इलाके में मोहल्ले में रहने वाला मनचला बीते काफी समय से स्कूली छात्रा के साथ छेड़छाड़ कर उसे परेशान कर रहा था। आरोपी छात्रा पर दोस्ती और बातचीत करने के लिये जर्बदस्ती करते हुए दबाव बनाता था। लेकिन छात्रा उसे लगातार नजरंदाज करती रही तब आरोपी छात्रा के घर जा धमका। वहॉ उसने दुर्व्यवहारन करते हुए गाली-गलौज की और विरोध करने पर मारपीट कर डाली। शिकायत मिलने पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार बैरागढ़ इलाके में रहती 17 वर्षीय किशोरी ने बताया की वह दसवीं कक्षा की छात्रा है। मोहल्ले में ही रहने वाला नीतेश कुशवाहा उसे करीब 4 महीनो से परेशान कर रहा था। छात्रा के स्कूल आते-जाते समय मनचला उसका पीछा करता और उस पर बातचीत कर दोस्ती करने का दबाव डालता था। लेकिन छात्रा उससे बात करना नहीं चाहती थी। इसलिये वह उसे नजरंदाज करती रही और अपने स्कूल आने-जाने का रास्ता भी बदल दिया। इससे गुस्साया मनचला छात्रा के घर जा पहुंचा और उसके घर के सामने खड़े होकर गाली-गलौज करने लगा। छात्रा बाहर आई और उसने आरोपी की हरकतो का विरोध करते हुए वहॉ से जाने को कहाध्। इस पर नीतेश ने छात्रा के साथ मारपीट कर दी। आस पास के लोग बीच-बचाव करने दौड़े जिन्हें देख आरोपी वहॉ से भाग गया। इसके बाद छात्रा के परिवार वाले उसे लेकर थाने पहुंचे। शिकायत मिलने पर पुलिस ने छेड़खानी सहित अन्य धाराओं के तहत मामला कायम कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

तेज गर्मी के बीच मिलेगी राहत

प्रदेश के कई जिलों में बारिश का अलर्ट, तापमान में आएगी गिरावट

भोपाल। मध्य प्रदेश में बढ़ते तापमान से गर्मी लोगों को परेशान कर रही है, अब गर्मी के बीच प्रदेश में मौसम फिर से करवट लेगा। अगले दो दिन यानी, 16 और 17 मार्च को दिन-रात के पारे में 2 से 3 डिग्री की गिरावट होगी वहीं 18 और 19 मार्च को जबलपुर, नर्मदापुरम, इंदौर, भोपाल, शहडोल और ग्वालियर संभाग में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है।

खासकर 19 मार्च को पूर्वी हिस्सा भीगेगा। प्रदेश के कई शहरों में दिन का तापमान 39 डिग्री के पार पहुंच चुका है। रातें भी गर्म हैं। हालांकि, पिछले 3 दिन से प्रदेश के कुछ शहरों में मौसम बदला हुआ है। कहीं हल्की बारिश हो रही है तो कहीं तेज गर्मी है, लेकिन अगले दो दिन में पूरे प्रदेश में तापमान में गिरावट होगी।

साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम एक्टिव

मौसम विभाग के वैज्ञानिकों का कहना है कि अभी राजस्थान के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम एक्टिव है। इस वजह से शनिवार को झाबुआ, रतलाम, भिंड, मुरैना, पन्ना, छतरपुर और टीकमगढ़ में कहीं बादल छाए तो कहीं बूंदाबांदी हुई। यह सिस्टम लौट जाएगा। जिससे दो दिन तक पारे में गिरावट होगी, लेकिन 18-19 मार्च को फिर से नया सिस्टम एक्टिव होगा, जो बारिश करा सकता है। 18-19 मार्च को मौसम विभाग ने कई शहरों में मौसम के बदलने की संभावना जताई है।

पिछले 3 दिन ऐसा रहा मौसम

मौसम विभाग के अनुसार, 14 मार्च को मुरैना, भिंड में हल्की बारिश हुई। 15 मार्च को भिंड में बूंदाबांदी दर्ज की गई। वहीं, 16 मार्च को झाबुआ, रतलाम, भिंड, मुरैना, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़ में कहीं-कहीं बौछारें गिरीं और बादल छाए रहे। राजधानी भोपाल में भी दिन में बादल देखने को मिले। बाकी शहरों में आसमान साफ रहा और गर्मी का असर देखा गया। दूसरी ओर, नर्मदापुरम में 39.8 डिग्री, खजुराहो में 39.6 डिग्री, मंडला में 39.3 डिग्री, रतलाम-दमोह में पारा 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

10वीं-12वीं की आंसरशीट का औसत मूल्यांकन करने पर होगी कार्रवाई

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की ओर से 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा के लिए मूल्यांकन कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इस बार मूल्यांकनकर्ताओं को भी प्रशिक्षण दिया गया है। अब तीन स्तरों पर मूल्यांकन होगा। इसमें मुख्य परीक्षक, उप मुख्य परीक्षक और परीक्षक शामिल हैं। इस संबंध में भी दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। अगर किसी विद्यार्थी ने एक ही प्रश्न के उत्तर को कई बार लिखा है, तो परीक्षक अपने विवेक से एक ही उत्तर का मूल्यांकन करेंगे और एक ही उत्तर के अंक गणना में लिए जाएंगे। साथ ही परीक्षक के उत्तरपुस्तिका जांचने के बाद उप मुख्य परीक्षक पुन-परीक्षण करेंगे कि कहीं कोई त्रुटि तो नहीं है।

साथ ही अगर मूल्यांकनकर्ता द्वारा औसत मूल्यांकन किया गया होगा, तो उस पर तत्काल प्रभाव से कार्रवाई की जाएगी। साथ ही परीक्षक द्वारा ऑनलाइन भरे गए अंकों की जांच भी की जाएगी।अगर अंक भरने में गलती मिलेगी तो परीक्षक और उप मुख्य परीक्षक दोनों पर कार्रवाई होगी। बता दें कि प्रदेश के करीब 17 लाख विद्यार्थियों की 90 लाख कॉपियों के मूल्यांकन के लिए 40 हजार शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। दूसरे चरण का मूल्यांकन 21 मार्च से शुरू होगा।

मूल्यांकन के बाद अंक ऑनलाइन प्रविष्ट किए जाएंगे

निर्देशित किया गया है कि एक शिक्षक को एक दिन में न्यूनतम 30 और अधिकतम 45 उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा। साथ ही उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के बाद ऑनलाइन अंक प्रविष्टि की जाएगी। संबंधित शिक्षक द्वारा अंकों की प्रविष्टि करने के बाद इच्छुक होने पर 15 उत्तरपुस्तिकाएं और प्रदान की जा सकती हैं। बिना बारकोड लगे उत्तरपुस्तिकाओं को मंडल कार्यालय भेजना होगा।

सौरभ शर्मा मामले में मिला 52 किलो सोना और 11 करोड़ किसके?

तीन माह बाद भी तीन जांच एजेंसियां खाली हाथ

भोपाल। मध्य प्रदेश के परिवहन विभाग के करोड़पति पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के घर और ऑफिस पर छापे के बाद मिला 52 किलो सोना और 11 करोड़ नकदी किसका है, इस सवाल का जवाब अब तक नहीं मिल पाया है।

तीन माह से मामले की जांच कर रही लोकायुक्त, ईडी और आयकर विभाग की टीम अभी भी खाली हाथ है। तीनों एजेंसियों ने जेल में बंद सौरभ शर्मा और उसके करीबी शरद जायसवाल और चेतन सिंह गौड़ से पूछताछ के बाद भी कुछ पता नहीं लगा पाई है।

तीनों ने ही सोना और नकदी से संबंध होने से इंकार किया है। हालांकि, चेतन सिंह गौर यह स्वीकार कर चुका है कि जिस गाड़ी में सोना और नकदी मिली है, वह उसके नाम पर रजिस्टर्ड है, लेकिन उसका उपयोग सौरभ शर्मा करता था।

सड़क से सदन तक गूंजेगा मुद्दा-कटारे

उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने अब परिवहन विभाग के कई अधिकारियों को निशाना पर लिया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि परिवहन घोटाले की परतें अब खुलने लगी हैं! मेरे पास पुख्ता जानकारी है कि परिवहन विभाग के कई अधिकारियों और आरटीआई/आरटीओ ने बिना अनुमति या फर्जी अनुमति के विदेश यात्राएं कीं। दुबई और आसपास के देशों में इन अधिकारियों का आना-जाना किस मकसद से हुआ? किसने सौरभ शर्मा को वहां स्थापित करने में मदद की? सबसे बड़ा सवाल यह है कि सरकारी नौकरी में रहते हुए इतनी बेहिसाब संपत्ति कैसे अर्जित की गई? बच्चे अमेरिका में पढ़ रहे हैं, खुद विदेशी दौरों का आनंद ले रहे हैं, और जनता को जवाबदेही से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने लिखा कि अब इन सवालों के जवाब देने का वक्त आ गया है! जनता जानना चाहती है- यह धन कहां से आया? कौन से भ्रष्टाचार के रास्तों से विदेशों में निवेश किया गया? जवाब देना होगा और अगर जवाब नहीं दिया गया, तो सवाल सड़क से सदन तक गूंजेगा! जवाबदेही तय होगी और भ्रष्टाचार की हर परत बेनकाब होगी।

ढाई साल के बच्चे को मौसी की गोद से छीनकर भागे अज्ञात बदमाश, मां ने जताया पिता पर शक

आगर मालवा। आगर कोतवाली थाने से एक ढाई साल के बच्चे का अपहरण का मामला सामने आया है, बच्चा उसकी मौसी के साथ मंदिर जा रहा था इस दौरान एक बोलेरो पिकअप में करीब पांच बदमाश सवार होकर आए और मंदिर जाते समय उसकी मौसी के हाथ से बच्चे को छीनकर फरार हो गए। बच्चों को लेने के लिए उसकी मौसी की बदमाशों से झूमा झटकी भी हुई, लेकिन बदमाशों की संख्या ज्यादा थी वह बच्चे को छीन कर बोलोरो गाड़ी में बिठाकर अपहरण कर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार बच्चे की मां रीना बामनिया आगर कोतवाली थाने पहुंचीं, जहां पर उसने शिकायत दर्ज करवाई कि रविवार सुबह करीब 10-00 बजे उसका ढाई साल का बेटा भव्यांश उसकी मौसी रोशनी के साथ मंदिर के लिए निकला था। तभी एक बोलेरो गाड़ी आई जिसमें से करीब पांच बदमाश सवार थे, वह सभी गाड़ी से उतरे और रोशनी के हाथों से बच्चे को छुड़ाने लगे। इस दौरान रोशनी और बदमाशों के बीच झूमाझटकी भी हुई। बदमाशों में से एक व्यक्ति ने कहा कि अब तुम घर जाओ बच्चे को हम ले जा रहे हैं, और छीनकर बोलोरो गाड़ी में बिठाकर अपहरण कर ले गए। रोशनी ने बोलेरो गाड़ी का पीछा भी किया तभी बोलोरो गाड़ी बड़ोद रोड की तरफ निकल गई। मां रीना बामनिया का कहना है कि अपहरण की घटना के पीछे उसके पति का हाथ हो सकता है, और शक है कि यह अपहरण उसी के इशारे पर हुआ है। एक वर्ष पूर्व भी वह बच्चे को ले गया था, जिसे पुलिस पश्चिम बंगाल से लेकर आई थी। बदमाश जब बच्चे को छीनकर ले जा रहे थे तभी उसमें से एक ने कहा कि अब तुम घर जाओ बच्चे को हम ले जा रहे हैं। यह बात रीना बामनिया की बहन रोशनी ने सुनी। रोशनी ने आवाज सुनकर कहा कि वह आवाज बच्चों के पिता की आवाज लग रही थी। बच्चों की मां ने यह भी बताया कि वह उसके पति से पिछले दो साल से अलग रह रही है। उसने उसके पति पर आगर के महिला थाने में वर्ष 2024 में दहेज प्रताड़ना व घरेलू हिंसा का केस भी दर्ज करवा रखा है।

शेयर मार्केट में इंवेस्ट का झांसा देकर मेजर से 14 लाख की ठगी

जालसाजों ने इंग्लैंड के नंबर से कॉल कर रकम को दो से तीन गुना करने का दिया था झांसा

भोपाल। शेयर मार्केट में इंवेस्ट रकम को कम समय में दो से तीन गुना करने का झांसा देकर सायबर ठगोरो ने श्री ईएमई सेंटर में पदस्थ मेजर से 14 लाख से अधिक की ठगी कर ली। ठगोरो ने उन्हें मेजर को इंग्लैंड के नंबर से फोन कर शुरुआती में किये गये इंवेस्ट पर मुनाफा दिखाया और फिर विश्वास में लेकर उसे रकम दो से तीन गुना करने का झांसा दिया। मेजर ने जब बड़ी रकम निवेश की इसके बाद आरोपी बहानेबाजी करने लगे और उससे संपर्क करना बंद कर दिया।

जानकारी के अनुसार मूलरूप से पठानकोट पंजाब निवासी आशीष चौधरी (35) ने लिखित शिकायत में बताया की वह यहां बैरागढ़ स्थित श्री ईएमई सेंटर में मेजर के पद पर पदस्थ हैं। अप्रैल 2024 में उनके फोन पर इंग्लैंड के मोबाइल नंबर से इंटरनेट के जरिये वॉट्सएप कॉल आई थी। दूसरी और से बातचीत कर रहे सायबर जालसाजों ने उन्हें अधिक मुनाफा कमाने के लिये शेयर मार्केट में निवेश करने का झांसा दिया।

उनका ऑफर पंसद आने पर वह तैयार हो गए। वॉट्सएप पर बातचीत के बाद ठगो ने उन्हें एक ग्रुप से जुडने के लिये लिंक भेजा। लिंक के जरिए जब वॉट्सएप ग्रुप में जुड़ने पर उन्हें शेयर मार्केट में निवेश करने पर भारी मुनाफे के मैसेज आने शुरू हो गए। शुरुआती इंवेस्ट में उन्हें काफी मुनाफा दिखाया गया। इसके बाद ठगो ने मेजर को एक आईपीओ आवंटन में बड़ी रकम लगाने पर सारी रकम को कम समय में ही दो से तीन गुना हो जाने का झांसा दिया। उनकी बातो में आकर फरियादी ने 14 लाख से अधिक की रकम लगा दी।

लेकिन बाद में जब मेजर को आईपीओ नहीं मिला तब उन्होंने अपना पैसा वापस निकालने के कई प्रयास किये। लेकिन काफी कोशिश के बाद भी उनकी रकम नहीं निकली। इसके बाद मेजर ने जिस एप के जरिए रकम इंवेस्ट की थी, उसके कथित संचालकों से संपर्क किया तब उनसे कहा कि आपको 60 लाख रुपए का आईपीओ शेयर आवंटित किया गया है। मेजर ने जब आईपीओ नहीं मिलने की बात कही तब उनके साथ बहानेबाजी कर टाल मटोल की जाने लगी और फिर उनके फोन उठाना ही बंद कर दिये गये।

वाराणसी दर्शन करने गए परिवार के सूने घर में लाखों की चोरी, पूछताछ में हुए बड़े खुलासे

बुरहानपुर। मध्य प्रदेश की बुरहानपुर जिला पुलिस को एक शातिर चोर को पकड़ने में बड़ी सफलता हाथ लगी है, जिसके कब्जे से पुलिस ने लाखों रुपए का चोरी गया सामान भी जब्त किया है। बताया जा रहा है कि, आरोपी महाराष्ट्र के भिवंडी जिले का रहने वाला है। जहां उस पर करीब 17 मामले पहले ही दर्ज हैं। तो वहीं भिवंडी पुलिस आरोपी से अब तक करीब एक करोड़ से अधिक का चुराया हुआ माल भी बरामद कर चुकी है। पकड़ा गया आरोपी बीते कुछ दिनों से बुरहानपुर शहर में अपनी दादी के यहां रह रहा था। इस दौरान शहर से वाराणसी दर्शन करने गए एक परिवार के सूने घर में मौका देखकर चोरी की वारदात अंजाम दे दी। इसके बाद पुलिस को चकमा देने के लिए आरोपी अलग-अलग रास्तों का इस्तेमाल करता रहा। हालांकि पुलिस टीम ने सात दिन की कड़ी मेहनत के बाद, चाय की दुकान पर काम करने वाले इस शातिर आरोपी को धरदबोचा और उसके घर से चोरी गया करीब 14 लाख का माल भी बरामद कर लिया गया। बुराहनपुर नगर में बीते शनिवार को थाना शिकारपुरा क्षेत्र के एक सूने घर में चोरी की बड़ी घटना सामने आई थी। इस मामले में फरियादी ऋषिराज ने थाने पर मामला दर्ज कराया था कि उनकी बड़ी बहन राजरानी वाराणसी दर्शन करने गई हुई हैं। उनकी भांजी अश्वनी भी घर पर ताला लगाकर, शुक्रवार शनिवार की दरमियानी रात उनके घर आ गई थी। इस बीच शनिवार सुबह उन्हें पड़ोसियों ने फोन कर बताया कि घर का दरवाजा आधा खुला हुआ है। जहां पहुंचने पर सीढ़ियों के पास ताला टूटा मिला और अलमारियां खुली हुई थीं।

भोपाल में आधा दर्जन किन्नरों ने दिनदहाड़े थाने से 200 मीटर दूरी पर की युवक की हत्या, दो किन्नर भी घायल

भोपाल। राजधानी के तलैया थाना क्षेत्र में रविवार सुबह दिनदहाड़े आधा दर्जन किन्नरों ने एक युवक की सड़क पर बेरहमी से हत्या कर दी। किन्नरों ने युवक का गला रेता, दोनों हाथों की कलाइयां काटी और सीने में चाकू घोंपा। बदमाश इतनी हैवानियत पर उतारू थे कि युवक की मौत होने के बाद ही मौके से भागे। पुलिस हत्याकांड को अंजाम देने वाले बदमाशों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

तलैया थाना प्रभारी सीएस राठौर ने बताया कि किन्नरों ने आदिल खान की हत्या की है। हत्याकांड को अंजाम देने वाले छह किन्नरों में दो के चोट लगी है। तीन संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी की जा रही है। पैसों के लेनदेन को लेकर हत्याकांड को अंजाम देने की बात सामने आई है, लेकिन असली वजह सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद ही पता चलेगी। बदमाशों में पुलिस का कोई खौफ नहीं था, क्योंकि उन्होंने तलैया थाने से मजह 200 मीटर की दूरी पर ही हत्याकांड को अंजाम दिया है। जिस युवक की हत्या हुई है, उसके बड़े भाई की डेढ़ साल पहले हत्या हो चुकी है। बताया जा रहा है कि हत्या पैसों के लेनदेन को लेकर की गई है। तलैया थाना पुलिस के अनुसार 24 वर्षीय आदिल खान बैंड मास्टर चौराहे से कुछ ही दूरी पर रहता है। रविवार सुबह छह बजे के बाद आधा दर्जन युवक उसके घर पहुंचे और आदिल को बुलाया। जो युवक आदिल के घर पहुंचे थे, वह सभी उसके दोस्त और परिचित ही थे। आदिल उनके साथ चला गया। सुबह साढ़े आठ बजे के करीब लोगों ने आदिल के परिजनों को बताया कि बैंड मास्टर चौराहे पर आदिल खून से लथपथ हालत में पड़ा हुआ है। आदिल का भाई और अन्य लोग मौके पर पहुंचे तो वह बेसुध था। उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई।

भोपाल रेल मंडल के नौ रेलवे स्टेशनों को मिला ग्रीन सर्टिफिकेशन

भोपाल। पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल के नौ स्टेशनों को ग्रीन सर्टिफिकेशन मिला है। यह आइएसओ 14001-2015 पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली (इएमएस) प्रमाणपत्र यात्रियों को स्वच्छ और पर्यावरण-अनुकूल रेल यात्रा का अनुभव प्रदान करने के लिए दिया है। यह प्रमाणपत्र पर्यावरणीय गुणवत्ता, स्वच्छता, जल संरक्षण और ऊर्जा दक्षता के बेहतर प्रबंधन के लिए दिया जाता है।

यह प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वाले रेलवे स्टेशनों में भोपाल, बीना, इटारसी, गंजबासौदा, गुना, नर्मदापुरम, सांची, शिवपुरी और विदिशा हैं। इस प्रमाणन के तहत रेलवे स्टेशनों पर स्वच्छता, वैज्ञानिक कचरा निपटान, पुनर्चक्रण, ऊर्जा बचत और सौर ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि भोपाल मंडल के इन रेलवे स्टेशनों पर उच्च स्वच्छता मानकों को अपनाया गया है। कचरे का व्यवस्थित निपटान, पुनर्चक्रण की सुविधाएं और जल संरक्षण के लिए विशेष उपाय किए गए हैं। ऊर्जा दक्षता को बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे स्टेशनों पर बिजली की खपत कम हो रही है।

रंगपंचमी पर इंदौर में रहेगा स्थानीय अवकाश, कलेक्टर ने जारी किए आदेश

इंदौर। इंदौर में 19 मार्च को रंग पंचमी पर गेर निकलेगी। इस दिन कलेक्टर आशीष सिंह ने स्थानीय अवकाश घोषित किया है। हर साल इंदौर में रंग पंचमी पर सरकारी कार्यालयों में अवकाश घोषित रहता है। रंगपंचमी पर इंदौर के मध्य क्षेत्र से गेर निकलती है। जिसमें लाखों की संख्या में लोग शामिल होते हैं।

रंग पंचमी के अलावा दशहरे के अगले दिन बासी दशहरे शुक्रवार तीन अक्टूबर को भी अवकाश रहेगा। इसके अलावा अहिल्या जयंती 22 अगस्त को आधे दिन का अवकाश घोषित होगा। इस दिन इंदौर में गांधी हाल से राजवाड़ा तक देवी अहिल्या की पालकी निकलती है। स्थानीय अवकाश बैंकों और कोषालय पर लागू नहीं होगा। रंगपंचमी के अवसर पर 19 मार्च को शहर में पारंपरिक गेर का भव्य आयोजन किया जाएगा। इंदौर की गेर में लाखों लोग शिरकत करते हैं। पश्चिम क्षेत्र में निकलने वाली गेर टोरी कॉर्नर चौराहे से शुरू होकर राजवाड़ा पहुंचेगी और फिर अपने निर्धारित स्थान पर वापस लौटेगी। इस आयोजन को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस बार गेर में मिसाइलों से रंग उड़ाने की विशेष व्यवस्था की गई है। इससे रंगों की बौछार का एक अनूठा और मनोरम दृश्य उपस्थित लोगों को देखने को मिलेगा।

चैंपियंस ट्रॉफी के बाद महू में हुई हिंसा से सबक लेते हुए इस बार पुलिस और प्रशासन इंदौर में कोई भी कोताही बरतने के मूड में नहीं है। गेर के मार्ग और इंतजामों को लेकर अधिकारी लगातार दौरे कर रहे हैं और तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था बनाई गई है। इंदौर में परंपरागत रूप से निकलने वाली रंगपंचमी की गेरों के आयोजन की व्यापक तैयारियां जारी हैं। राज्य शासन द्वारा घोषित स्थानीय अवकाश के तहत 19 मार्च को बुधवार रंगपंचमी पर भोपाल जिले में स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है।

शिक्षा और श्रम से ही होगा अल्पसंख्यकों का कल्याण

उत्तम शिक्षा सभ्य समाज की बुनियाद रखने की पहली शर्त होती है। शिक्षा ही है जो मानव को उत्तम मानव बनाती है। बगैर सामाजिक वातावरण और शिक्षा के अभाव में तो इंसान का बच्चा भी पशुओं के सदृश व्यवहार करता नजर आ जाता है। इसलिए प्रत्येक काल में शिक्षा को महत्व दिया गया। ऐसी ही शिक्षा के महत्व को प्रतिपादित करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक समारोह में कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय से अधिक इंजीनियर, आईपीएस और आईएएस अधिकारी आएंगे तो सभी प्रगति करेंगे। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ अब्दुल कमाल का उदाहरण देते हुए कहा कि आज हमारे सामने पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ एपीजे अब्दुल कलाम का उदाहरण है। यह समझने वाली बात है कि यदि उन्हें पढ़ने का अवसर नहीं मिलता तो कुछ भी नहीं होता, शिक्षा की यही ताकत है। ऐसी शिक्षा जो इंसान को आगे बढ़ने की सोच प्रदान करती है। शिक्षा ही है जो जीवन मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए समाज व देश को सही दिशा प्रदान करने वाले मानव का निर्माण करती है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने इस आशय की बातें एक दीक्षांत समारोह के दौरान कहीं और चूंकि वो धर्म, जाति और संप्रदाय की बातें सार्वजनिक तौर पर नहीं करते सो उन्होंने यहां पर भी पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव के दौरान कही गई बात को दोहराया और कहा कि 'जो करेगा जात की बात, उसको मारूंगा लात।' यह तो आर्शवाक्य होना चाहिए और सिर्फ राजनीति में नहीं बल्कि हर क्षेत्र में इसका ध्यान रखा जाना चाहिए, फिर चाहे वो शिक्षा के साथ निजी और सरकारी नौकरियों में भर्ती का मामला ही क्यों न हो। वैसे भी गडकरी अपने बेबाक बयानों के लिए भी जाने जाते हैं, इसलिए इस तरह की बात सुनकर भी लोगों को नहीं लगता कि वो कुछ ज्यादा बोल गए, या उनकी बात में कुछ अनुचित समाया हुआ है। जहां तक शिक्षा की बात है तो इसमें शक नहीं कि शिक्षा पर फोकस किया जाना चाहिए, लेकिन इससे पहले यह भी तय करना होगा कि शिक्षा सिर्फ बाबू और अधिकारी बनाने वाली नहीं होनी चाहिए। एक ऐसी शिक्षा की दरकार हमेशा से है और होनी भी चाहिए, जो समाज कल्याणकारी मानव को निर्मित करती हो। पर अफसोस कि हमारी शिक्षा का ऊपरी ढांचा तो भारतीय नजर आता है, लेकिन उसके अंदर समायी हुई आत्मा अंग्रेजों की गढ़ी हुई है, जो अच्छा इंसान बनाने की बजाय क्लर्क तैयार करने पर विशेष जोर देती है। यह एक बात है, दूसरी बात यह कि शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में जो ईमानदारी आजादी के इतने सालों बाद उभरकर सामने आनी चाहिए थी, वह कहीं से भी नजर नहीं आई है। नतीजे में उच्चशिक्षित योग्य युवा दर-दर की ठोकरें खाते नजर आ जाते हैं, जबकि सिफारिशी और राजनीतिक पहुंच वाले कम योग्य व्यक्ति उच्च पदों पर सुशोभित होते देखे जा सकते हैं। इससे युवाओं में एक आक्रोश घर करता चला जा रहा है। यह क्या कम गंभीर बात है कि किसी सरकारी दफ्तर में एक क्लर्क की पोस्ट निकलती है और आवेदन करने वाले लाखों अभ्यर्थियों में डॉक्टर्स और इंजीनियर्स भी शामिल नजर आ जाते हैं। यह वाकई गंभीर चिंता का विषय है। इसके लिए महज शिक्षा प्रणाली को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है, बल्कि उच्च स्तर पर जो अंधा बांटे रेबड़ी, और चीन्ह-चीन्ह के देय वाली कहावत चरितार्थ हो रही है, उस पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। जहां तक अल्पसंख्यकों को शिक्षा और समानता का अवसर उपलब्ध कराने की बात है तो अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नया 15 सूत्री कार्यक्रम अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। यह एक व्यापक कार्यक्रम है, जिसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि छह केंद्रीय रूप से अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों के वंचित और कमजोर वर्गों को विभिन्न सरकारी कल्याण योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के समान अवसर मिलें और वे देश के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान दें। इनमें विभिन्न छात्रवृत्तियों के साथ ही ऋण योजनाएं भी शामिल की गई हैं, ताकि अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों की प्रगति में कोई अड़चन न आने पाए। इस प्रकार सरकार की मंशा और योजनाएं तो समाज व समुदाय के लिए कल्याणकारी होती हैं, लेकिन उनका क्रियान्वयन और प्रचार-प्रसार जमीनी हकीकत से कोसों दूर होता है। इस कारण इसके लाभार्थियों को अंगुलियों में गिना जा सकता है, जबकि इसके लाभ के आकांक्षी करोड़ों में होते हैं। इस दिशा में भी विचार करने और उचित कदम उठाने की आवश्यकता है। बहरहाल शिक्षा और रोजगार के साथ ही स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार की गुंजाइश तो हर काल में रहती है, इससे इंकार नहीं किया जा सकता है। जहां तक शिक्षा का सवाल है तो किसी जाति, धर्म या संप्रदाय विशेष के लिए नहीं बल्कि प्रत्येक भारतीय के लिए यह आवश्यक है, ताकि देश व समाज बेहतर तरक्की कर सकें।

लगातार फोन देखने से कमजोर हो रही आंखें

वर्तमान में बच्चों और युवा पीढ़ी में कमजोर नजर एक नई महामारी बनकर उभर रही है। निकट दृष्टि दोष की समस्या बढ़ रही है और ऐसा अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 2050 तक दुनिया की लगभग आधी आबादी इससे ग्रस्त हो जाएगी। हालांकि ऐसा ज्यादातर आनुवंशिक कारणों से होता है, लेकिन बहुत ज्यादा मोबाइल देखने और लगातार कंप्यूटर पर काम करने से निकट दृष्टि दोष का खतरा बढ़ सकता है।

एक नए अध्ययन से पता चलता है कि टैबलेट या स्मार्टफोन जैसी डिजिटल स्क्रीन पर हर दिन एक घंटा से चार घंटे तक का समय बिताने से निकट दृष्टि दोष का खतरा 21 फीसद बढ़ सकता है। शोध में बच्चों से लेकर वयस्कों तक के 3,35,000 से अधिक प्रतिभागी शामिल थे।

जामा नेटवर्क ओपन नामक पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, एक से चार घंटे तक स्क्रीन देखने से निकट दृष्टि दोष का खतरा काफी बढ़ जाता है। शोध में कहा गया है कि स्क्रीन पर अधिक समय बिताने से ध्यान अवधि कम होने के कारण मस्तिष्क के संज्ञानात्मक कार्यों पर असर पड़ सकता है। लंबे समय तक स्क्रीन के इस्तेमाल में अक्सर बिस्तर या सोफे पर असहज मुद्रा में बैठना शामिल होता है। स्क्रीन के लंबे समय तक संपर्क में रहने से मोटापा, शरीर में दर्द, रीढ़ की हड्डी में दिक्कत और पीठ दर्द सहित कई अन्य स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं। यह अध्ययन डिजिटल युग में निकट दृष्टि दोष की बढ़ती चिंता को दूर करने के लिए काम कर रहे स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और शोधकर्ताओं के लिए अहम जानकारी प्रदान करता है। अध्ययन में कहा गया है कि स्क्रीन से आंखों पर पड़ने वाले खतरनाक असर को रोकने के लिए 20-20-20 नियम का इस्तेमाल करना चाहिए। यानी आंखों पर पड़ने वाले तनाव को कम करने के लिए हर 20 मिनट में 20 सेकंड तक दूर रहें और किसी भी चीज को 20 फीट की दूरी से देखें। अध्ययन के मुताबिक, हर दिन कम से कम दो घंटे बाहर बिताकर आंखों की थकान कम की जा सकती है और निकट दृष्टि दोष को बढ़ने से रोका जा सकता है। स्क्रीन सेटिंग में बदलाव करने से तनाव को कम किया जा सकता है। इसमें नीली रोशनी वाले फिल्टर का उपयोग किया जा सकता है। नियमित आंखों के परीक्षण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। ये निकट दृष्टि दोष के शुरुआती लक्षणों की पहचान करने व नजरों के कमजोर होने को रोकने में मदद कर सकते हैं। नए अध्ययन में पूर्व के अध्ययनों का भी जिक्र किया गया है। कुछ अध्ययनों में निकट दृष्टि दोष का आकलन करने के लिए वस्तुनिष्ठ उपायों का उपयोग नहीं किया गया।

सुपर हिट ऑफ द वीक

सुना है स्वर्ग में पति के साथ पत्नी को नहीं रखा जाता क्या ये सच है श्रीमान जी के एक दोस्त ने उनसे पूछा
सौ फीसदी सच है और इसलिए ही तो उसे स्वर्ग कहा जाता है श्रीमान जी का उत्तर था

कहो तो कहदूं

देखो रूठा ना करो, बात मेरी भी तो सुनो ...

चैतन्य भट्ट

साठ के दशक में एक फिल्म आई थी तेरे घर के सामने जिसमें मुख्य भूमिका देव आनंद और नूतन ने निभाई थीं। वैसे तो उसके सभी गाने बेहद मशहूर हुए थे लेकिन एक गीत कुछ ज्यादा ही लोगों की जबान पर चढ़ गया था जिसके बोल थे देखो रूठा ना करो बात नजरों की सुनो। ये गाना मध्य प्रदेश के कुछ शहरों में शराब के ठेकों पर बिल्कुल सटीक बैठ रहा है, पता लगा है कि कुछ बड़े शहरों में शराब के ठेकेदार ठेका लेने में बोली ही नहीं लगा रहे हैं बेचारे आबकारी विभाग वाले उनको मना मना कर हलाकान हो गए कि बोली तो लगा दो यार, लेकिन ठेकेदार है वे बोली लगाने तैयार नहीं हैं अब जब ठेका नहीं होगा तो सरकार को पैसा कैसे मिलेगा सरकार भी भारी परेशानी में है कि इन बड़े शहरों में अगर ठेकेदारों ने शराब के ठेके नहीं लिए तो उसका तो भट्टा ही बैठ जाएगा, दरअसल कुछ धार्मिक शहरों में शराबबंदी की घोषणा मुख्यमंत्री जी ने कर दी थी इस शराब बंदी से कई सौ करोड़ का नुकसान सरकार को होगा तो सरकार ने सोचा कि इस घाटे की भरपाई कैसे हो तो आरक्षित मूल्य को बीस फीसदी बढ़ा दिया अब बीस फीसदी जब आरक्षित मूल्य बढ़ गया तो ठेकेदारों को ये बात हजम नहीं हुई तो उन लोगों ने तय कर लिया कि वे अब बोली नहीं लगाएंगे, इधर जबलपुर में इसी चक्कर में एक आबकारी अधिकारी रवींद्र मानिकपुरी सस्पेंड भी हो गए कि सरकार की नीतियों का पालन क्यों नहीं करवा पाए अब बेचारे को मानिकपुरी करें तो करें क्या ठेकेदार बोली लगने तैयार नहीं सरकार कह रही बोली लगवाओ उन दोनों के बीच में ऐसे फंसे मानिकपुरी जी जैसे पैर और जूते के बीच में मोजे जिसको दोनों तरफ से दबाया जाता है लेकिन अपने को एक बार समझ में नहीं आई कि यदि सरकार ने पैसा बढ़ा दिया है तो बढ़ा देने दो आप दारू के दाम बढ़ा देना जिसे पीना है वो तो पिएगा ही चाहे शराब कितनी ही महंगी क्यों ना हो जाए जब तक उनके गले के नीचे पैग नहीं उतरेगा उनको चैन कैसे आएगा वैसे भी सरकारें तो इन दारूखोरों के पैसे से ही चल रही है यही कारण है कि सरकार ने भी बड़ा सोच समझकर यह कदम उठाया कि सिर्फ धार्मिक शहरों में शराब बंदी होगी। कुल मिलाकर आबकारी विभाग ठेकेदारों के सामने तो हाथ जोड़कर ये गाना गा रहा है देखो रूठा ना करो बात हमारी भी तो सुनो और ठेकेदार इसके उत्तर में कह रहे हैं हम ना ठेका लेंगे तुम सताया ना करो लेकिन इस चक्कर में 1 अप्रैल से उन शहरों के शराब प्रेमियों का क्या होगा जिनकी जिंदगी शराब के बल पर ही चल रही है जब ठेके नहीं होंगे तो शराब कैसे मिलेगी और जब शराब नहीं मिलेगी तो उनका तो जीना ही व्यर्थ हो जाएगा। वैसे भी वैसे भी जिन धार्मिक शहरों में शराब बंदी की घोषणा की गई है वहां के शराब प्रेमी इस बात से हीखुश हैं कि भले ही उनके जिले में शराबबंदी हो गई हो लेकिन आसपास के जिलों में तो दारू मिल ही जाएगी चार पैसे ज्यादा लगेंगे लेकिन गला तो तर होता ही रहेगा।

राजा साहब की जमीन बिक गई : एक खबर आई कि अपने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह जिनको राजा साहब भी कहा जाता है कि उनकी पैतृक जमीन 35 साल पहले ही किसी ने बेच दी और वो भी खुद को दिग्विजय सिंह बनाकर अब आप सोचो कि जब प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री की जमीनों के यह हाल है तो आम आदमी की जमीन का क्या होगा। वैसे राजा साहब कह रहे हैं कि मुझे ये खबर मीडिया से ही लगी है मैं इसकी जांच पड़ताल करवाता हूं लेकिन अब इतने सालों बाद ये जांच पड़ताल कैसे होगी यह भी बड़ा जांच का विषय है। कौन आदमी है जो खुद को दिग्विजय बतला कर जमीन बेच गया जिन लोगों ने भी जमीन की रजिस्ट्री की होगी वे क्या राजा साहब को जानते पहचानते नहीं होंगे ? उस वक्त कौन अधिकारी था जिसने जमीन को बेचने की स्वीकृति दे दी और वो कौन सा अधिकारी था जिसने बाकायदा दिग्विजय सिंह की जमीन की रजिस्ट्री भी किसी दूसरे के नाम पर कर दी क्या पता वे अफसर जिंदा भी है या भगवान को प्यारे हो गए। वैसे राजा साहब तो राजा हैं भले ही अब राजाओं का जमाना नहीं रहा लेकिन अभी भी उन्हें राजा साहब तो कहा ही जाता है और राजाओं के पास कौन सी जमीन की कमी है थोड़ी बहुत जमीन बिक भी गई होगी तो उनको कौन सा फर्क पड़ता है, पुराने लोगों के पास तो कितनी जमीन है उनको खुद भी नहीं पता रहता था ऐसा ही कुछ लगता है राजा साहब के साथ भी हुआ है उन्हें पता ही नहीं होगा कि उनकी जमीन कहां-कहां है और इसी का फायदा उठाकर उस व्यक्ति ने अपने आप को दिग्विजय सिंह बता कर वह जमीन बेच मारी अब देखना ये है कि जांच पड़ताल का परिणाम क्या निकलता है? क्या राजा साहब की जमीन उन्हें वापस मिल पाएगी या फिर जिसने खरीदी है उसने उस जमीन का क्या किया अपने पास रखी या फिर उसे और पलटा दिया ये जांच के बाद ही पता लग पाएगा।

कमल छाप कांग्रेसी : कांग्रेस के सबसे बड़े नेता राहुल गांधी को समझ में नहीं आता कि वे करें तो क्या करें, उनकी पार्टी में कितने गुट हैं कितने गुटबाज हैं ये भी वे जानते तो है वे ये भी जानते हैं कि ऐसे बहुत से कांग्रेसी नेता है जो भीतर ही भीतर भाजपा से मिले हुए हैं इसलिए उन्हें यह कहना पड़ा कि जो भी कांग्रेसी नेता कमल छाप कांग्रेसी बने हुए हैं उन सबको बाहर करना पड़ेगा चाहे उनकी संख्या पचास हो सौ हो या दो सौ। अपना तो राहुल भैया से कहना है कि आपकी पार्टी के आधे से ज्यादा नेता तो वैसे भी भाजपा में शामिल हो चुके हैं और बड़े-बड़े मंत्री पद का सुख पा रहे हैं अब जो थोड़े बहुत और बचे हैं उनमें से भी अगर कुछ को निकाल दोगे तो फिर पार्टी में बचेगा कौन ? वैसे भी अब कांग्रेस में वो दम रही नहीं जो कभी एक जमाने में थी जिस पार्टी ने कई वर्षों तक देश में राज किया वो अब क्षेत्रीय दलों के रहमो करम पर अपना वजूद बनाए रखे हैं इससे ज्यादा बुरे दिन और क्या हो सकते हैं लेकिन चलो राहुल गांधी ने ये तो स्वीकार किया कि उनकी पार्टी में बहुत सारे जयचंद हैं जो पार्टी के नहीं बल्कि विरोधी पार्टी के खासमखास बने हुए हैं आप ने तो कह दिया है राहुल भैया कि ऐसे कमल छाप कांग्रेसियों को पार्टी से निकालना पड़ेगा लेकिन अब उन्हें निकालेगा कौन और उनकी पहचान कैसे होगी ये आपके लिए बड़ा कठिन सवाल हो चुका है इधर दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी और उनके नेता हर बात के लिए पंडित नेहरू को दोषी मानते हैं वहीं बीजेपी की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने नेहरू जी की तारीफ कर दी कि नेहरू जी की नीतियां बहुत अच्छी थी अब भाजपा के नेता भी तो ये कह सकते हैं कि हमारे यहां भी पंजा छाप भाजपाई हैं वैसे उमा भारती जब भी बयान देती हैं कुछ ऐसा कह देती है जिससे पूरे भाजपा के सर्कल में हड़कंप मत जाता वे अभी भी पूरे प्रदेश में शराबबंदी की मांग पर अड़ी हुई है और डॉक्टर मोहन यादव ने स्पष्ट किया है कि धीरे-धीरे ये भी हो जाएगा लेकिन यह कब होगा यह कोई नहीं जानता।

पढ़ाई में अव्वल, हुनर में पिछड़ते युवा

देश में अरसे से यह आह्वान किया जाता रहा है कि शिक्षा रोजगारपरक होनी चाहिए। यह मिथक अब टूट चुका है कि पढ़ाई का उद्देश्य सिर्फ ज्ञानार्जन होता है। आज हमारे देश में विद्यार्थी बेहद महंगी हो चुकी पढ़ाई इसलिए करते हैं, ताकि उन्हें कोई रोजगार, खासकर नौकरी मिल सके। ऐसे दौर में, जबकि कृत्रिम बुद्धिमता (एआइ) आगमन न के साथ रोजगार संकट गहराता लग रहा है, कुछ अध्ययन यह साबित कर र रहे हैं कि हमारे नौजवान हुनर या दक्षता के मामले में वह धार खो चुके हैं, जो उन्हें किसी नौकरी या रोजगार के काबिल बनाती है।

इसकी पुष्टि मर्सर मेटल की रपट से भी हुई है कि विश्वविद्यालयों से निकले केवल 42.6 फीसद भारतीय स्नातक रोजगार योग्य हैं। इनमें गैर-तकनीकी दक्षता से लेकर रचनात्मक श्रेणी के रोजगार शामिल हैं।

देश के सत्ताइस सौ से अधिक विश्वविद्यालयों और अन्य शिक्षण संस्थानों के परिसरों में मौजूद लाख से ज्यादा छात्रों के बीच जुटाए आंकड़ों से तैयार की गई मर्सर-मेटल की रपट इस मामले में पिछले वर्षों के मुकाबले गिरावट दर्शा रही है। वर्ष 2024 में देश के 42.6 फीसद भारतीय स्नातक रोजगार योग्य पाए गए, जो 2023 के 44.3 फीसद के मुकाबले एक फीसद कम हैं। रपट के मुताबिक इस गिरावट की मुख्य वजह तकनीकी कौशल की कमी है। कंप्यूटर इंजीनियरिंग या कृत्रिम बुद्धिमता से जुड़ी नौकरियों में युवा रोजगार लायक हुनर हासिल कर रहे हैं, जबकि मानविकी कला आदि संकायों में उनकी दक्षता में गिरावट आ रही है। अगर राज्यवार बात की जाए तो मर्सर मेटल की रपट कहती कि भारत के स्नातक कौशल सूचकांक 2025 में दिल्ली के युवा 53.4 फीसद के साथ रोजगार क्षमता में सबसे ऊपर है।

करीब छह वर्ष पहले एक एजेंसी %एस्पाइरिंग माइंड% %की रपट में भी ऐसे ही खुलासे किए गए थे। इसमें कहा गया था कि हमारे देश में इंजीनियरिंग कर चुके 80 फीसद छात्र नौकरी के काबिल नहीं हैं, क्योंकि उनमें नौकरी की जरूरत के मुताबिक कौशल की काफी कमी होती है। यह रपट 650 से ज्यादा इंजीनियरिंग कालेजों के उन डेढ़ लाख इंजीनियरिंग स्नातकों पर आधारित थी, जिन्होंने करीब दस साल पहले 20151 में डिग्री हासिल की थी। इस रपट के दावों की पुष्टि नेशनल सैंपल सर्वे आफिस (एनएसएसओ) के सर्वेक्षण से भी हुई थी, जिसमें कहा गया था कि देश के स्नातक दस युवाओं में से महज एक युवा ऐसा प्रशिक्षण यानी %वोकेशनल ट्रेनिंग% हासिल करता है, जिसके बल पर उसे नौकरी दी जा सके। ऐसे दौर में, जब देश में %स्किल इंडिया% जैसे महत्त्वाकांक्षी कार्यक्रम में देश के करोड़ों युवाओं को हुनरमंद बना कर उन्हें रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है, समय-समय पर आने वाले सर्वेक्षणों और रपटों के तथ्य तथा आंकड़े हमें हैरान करते हैं।

ऐसे में यह अहम सवाल है कि आखिर कैसे हमारा देश अपने युवाओं में वह दक्षता पैदा कर पाएगा, जिसके बल पर वे कोई अच्छी नौकरी पाने या कोई कारोबार खड़ा करने की स्थिति में आ सकता है। हालांकि इस मामले से जुड़ा एक गंभीर पहलू यह भी है कि हमारे देश में सरकारों के पास फिलहाल 35-50 लाख युवाओं को ही हर साल किसी एक क्षेत्र में दक्ष बनाने वाले प्रशिक्षण का प्रबंध है। इसकी तुलना पड़ोसी चीन से करें, तो पता चलता है कि वहां सालाना नौ करोड़ युवाओं को हुनरमंद बनाने का इंतजाम सरकार की तरफ से किया गया है।

इस समस्या का दूसरा पहलू और गंभीर है। यह पहलू शिक्षण- प्रशिक्षण की गुणवत्ता से जुड़ा है। यह देखा जा रहा है कि अगर युवा किसी तरह नामी शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थानों में दाखिला पा जाते हैं, तो भी इसकी कोई गारंटी नहीं है कि वहां से जो डिग्री या डिप्लोमा लेकर निकलेंगे, उसके बल पर वे इतने काबिल हो सकेंगे कि अपने क्षेत्र में हर चुनौती का मुकाबला कर सकें। यह मामला स्कूल, ज़ कालेजों और प्रतिष्ठानों में दी जा रही शिक्षा की खराब गुणवत्ता का है। कुछ ही वर्ष पहले पीयर्सन नामक कंपनी ने देश के 527 शहरों के उच्च उच्च शिक्षा प्रतिष्ठानों और स्कूलों के बीच एक सर्वेक्षण किया था। इसमें कहा गया था कि देश की राजधानी दिल्ली तक में शिक्षक इसका खयाल नहीं रखते कि शिक्षा व्यवस्था विद्यार्थियों को प्रशिक्षण मुहैया करा पा रही है या नहीं। यही कारण है कि देश में लाखों युवा पढ़े-लिखे होने के बावजूद खुद को किसी ठीक-ठाक नौकरी के लिए तैयार नहीं कर पाए या उसमें अपनी योग्यता नहीं दिखा पाए। जाहिर है, इसमें एक बड़ी समस्या मौजूदा शिक्षा तंत्र की है, जो छात्रों को वैसी शिक्षा और प्रशिक्षण नहीं पा रहा है, जो अच्छी नौकरी पाने या अपना कोई व्यवसाय खड़ा करने में उनकी मदद करे

आज सबसे अहम बात यह है कि युवाओं की रोजगार क्षमता मांग के हिसाब से होनी चाहिए। यानी वे ऐसे हुनर से लैस हों, जिसकी उद्योग को जरूरत है और जिसे नवीनतम तकनीक के अनुसार ढाला जा सके। यह बात चीन, जापान, कोरिया और जर्मनी जैसे देशों ने सीखी है।

विज्ञान की दुनिया के दिग्गज देख रहे सात बड़े सपने

एक सदी पहले जेब के आकार के सुपर कंप्यूटर, चालक विहीन कार और वीडियो कॉल विज्ञान की विशुद्ध बनावटी बातें लगती थीं। चंद घंटों में जीनोम की पड़ताल या अलग-अलग महाद्वीपों में रहने वाले लोगों की जब चाहे आपसी बातचीत पर तो हंसी आती थी। मगर इस वर्ष (2025 में) हमने मिथेन घटाने वाले सप्लीमेंट्स से एक अप्रत्याशित जलवायु खतरे (गाय की डकार) से निपटने में सफलता पाई है।

ऐसे में, सवाल उठता है कि कौन सी असंभव लगने वाली तकनीकें भविष्य को आकार दे सकती हैं? आइए, कुछ पर चर्चा करते हैं। प्रकाश से भी तेज यात्रा - इससे हम ऐसी प्रजाति बन सकते हैं, जो तारों के बीच रहती है। हालांकि, आइंस्टीन का सापेक्षता का सिद्धांत कहता है कि द्रव्यमान वाली चीज बेहिसाब ऊर्जा के बिना प्रकाश की गति को पार नहीं कर सकती, इसलिए इस गति को पाना हमारे लिए व्यावहारिक रूप से असंभव है। मगर, नासा के ईगलवर्क्स लैब ने अल्क्यूबियर के वार्प ड्राइव का पता लगाया है, जो काल्पनिक तौर पर प्रकाश से भी तेज गति से अंतरिक्ष की यात्रा को संभव बनाता है। टाइम-ट्रैवल, यानी समय से पार यात्रा कराने वाली मशीन आखिर कौन अपनी पिछली गलतियों को ठीक नहीं करना चाहेगा? मगर इसके गंभीर परिणाम भी होते हैं। यदि आप समय में पीछे जाते हैं और अपने अस्तित्व को रोकते हैं, तो ग्रैंडफादर पैराडॉक्स (विरोधाभास की वह स्थिति, जब समय मशीन से गए व्यक्ति की हरकत से ऐसी परिस्थिति पैदा हो, जिससे घटना से पहले उसका प्रभाव घटित हो जाए) आपका दिमाग घुमा सकता है। उपग्रहों पर लगी परमाणु घड़ियां सापेक्षता के कारण समय का अंतर महसूस करती हैं, जो साबित करता है कि समय का विस्तार होता है। वैज्ञानिकों ने भी क्वांटम प्रयोगों से बताया है कि समय से पार यात्रा असंभव नहीं, बेशक अभी बहुत छोटी हो।

डायसन स्फीयर : असीम ऊर्जा देने वाले सूर्य के चारों ओर आप क्या किसी विशाल संरचना की कल्पना कर सकते हैं? डायसन स्फीयर यही है। इसके बाद न जीवाश्म ईंधन, न ऊर्जा संकट 7 बस निर्बाध सौर ऊर्जा। वैज्ञानिकों ने ऐसे सैटेलाइट डिजाइन किए हैं, जो वायरलेस की तरह पृथ्वी पर ऊर्जा भेज सकते हैं। चीन ने जो अंतरिक्ष में सौर फार्म की योजना बनाई है, वह अंतरिक्ष से सीधे ऊर्जा दोहन की दिशा में पहला कदम हो सकता है।

जैविक अमरता : हमने जीन एडिटिंग का उपयोग करके चूहों का जीवन बढ़ाया है और मानव कोशिकाओं में उम्र बढ़ाने वाले कुछ प्रभावों को उलट दिया है। सीआरआईएसपीआर उम्र से संबंधित बीमारियों पर काम कर रहा है और अल्टोस लैब जैसी कंपनियां कोशिका के फिर से प्रोग्रामिंग को लेकर खोज कर रही हैं। हालांकि, अमरता अभी दूर दिख रही है, फिर भी काफी लंबा और स्वस्थ जीवन अब संभव जान पड़ता है।

नियंत्रित वर्महोल : वर्महोल आपको किसी एक सूराख में अंदर जाने और फिर ब्रह्मांड में कहीं और बाहर निकलने का मौका देगा। यह सही है कि नासा की ईगलवर्क्स लैब ने उन्नत अंतरिक्ष यात्राओं से जुड़ी अवधारणाओं की जांच-पड़ताल की है, पर अभी यह दावे के साथ नहीं कहा जा सकता कि उसने एक स्थिर वर्महोल मॉडल तैयार कर लिया है।

मस्तिष्क से मस्तिष्क तक संचार: ब्रेन कंप्यूटर इंटरफेस पहले से ही लकवाग्रस्त रोगियों को अपने दिमाग को नियंत्रित करने मे मदद कर रहे हैं। ऐसे में, न्यूरल सप्लीमेंट इंटरफेस संचार में क्रांति ला सकते हैं। न्यूरालिंक ने इंसानों पर इसका परीक्षण शुरू भी कर दिया है, हालांकि अभी यह शुरुआती अवस्था में है, लेकिन भविष्य में ज्ञान का तत्काल हस्तांतरण और दिमागी संचार संभव हो सकता है, जिससे नैतिकता और निजता संबंधी चिंताएं पैदा हो सकती हैं।

डार्क मैटर : ऊर्जा का उपयोग ब्रह्मांड का एक बड़ा हिस्सा डार्क मैटर है। डार्क ऊर्जा भी अब तक रहस्यमय है। सीआरईएसएसटी और लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर जैसे प्रयोग डार्क मैटर का पता लगाने के लिए काम कर रहे हैं। यदि हम ऐसी कोई सफलता पा लेते हैं, तो ऊर्जा उत्पादन में बड़ी कामयाबी मिल सकेगी। बहरहाल, इनमें से कोई भी तकनीक मानव सभ्यता की दशा-दिशा बदल सकती है।

भोजन, पानी और रोजमर्रा की रसोई की वस्तुओं में पाए जाते हैं माइक्रोप्लास्टिक्स

रक्त, फेफड़े, मस्तिष्क में पाए जाने वाले माइक्रोप्लास्टिक्स माइक्रोप्लास्टिक के लिए बोतलबंद की तुलना में सुरक्षित पानी टैप करें प्लास्टिक के कंटेनरों में भोजन गर्म करने से बचें माइक्रोप्लास्टिक्स हर जगह हवा में हम सांस लेते हैं, हम जो पानी पीते हैं, और जो खाना हम खाते हैं। शोधकर्ताओं ने मानव रक्त, फेफड़ों और यहां तक कि मस्तिष्क में ऐसे छोटे प्लास्टिक के टुकड़ों की खोज की है।

हालांकि उनसे पूरी तरह से बचना व्यावहारिक रूप से असंभव है, लेकिन हमारे द्वारा ली गई राशि को कम करने के लिए कदम हैं। ब्रेन मेडिसिन में प्रकाशित एक अध्ययन हाल ही में माइक्रोप्लास्टिक की खपत को कम करने के आसान उपायों को इंगित करता है। हालांकि हम अभी तक स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में जानने के लिए सब कुछ नहीं जानते हैं, ये कण हमारे लिए फायदेमंद नहीं हैं। यहां आपके एक्सपोजर को कम करने के लिए कुछ आसान कदम दिए गए हैं। बोतलबंद पानी के बजाय नल का पानी पिएं वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, माइक्रोप्लास्टिक के सबसे बड़े स्रोतों में से एक बोतलबंद पानी है। यह दिखाया गया है कि एक लीटर बोतलबंद पानी में प्लास्टिक के 240,000 छोटे टुकड़े हो सकते हैं। ये बड़े पैमाने पर मानव आंख द्वारा पता लगाया जा सकता है की तुलना में छोटे हैं। नल के पानी में माइक्रोप्लास्टिक भी होता है, लेकिन बहुत कम मात्रा में। एक अच्छा पानी फिल्टर प्लास्टिक मलबे के 90त्न तक को खत्म कर सकता है। खपत से पहले पानी उबालना फायदेमंद हो सकता है, लेकिन विशेषज्ञ सावधानी बरतते हैं कि प्लास्टिक के पाइप या कंटेनर गर्म करने से जहरीले रसायनों को मुक्त किया जाता है। अधिकांश देशों में नल का पानी सुरक्षित, अच्छी तरह से नियंत्रित और बोतलबंद पानी की तुलना में एक बेहतर विकल्प है।

प्लास्टिक के कंटेनरों में भोजन गर्म करने से बचें : कई लोग प्लास्टिक के कंटेनरों में भोजन स्टोर करते हैं और उन्हें माइक्रोवेव में गर्म करते हैं। यह खतरनाक हो सकता है। शोध में पाया गया है कि हीटिंग प्लास्टिक मिनटों के भीतर आपके भोजन में लाखों प्लास्टिक कणों को छोड़ सकता है। इसके बजाय, भोजन को गर्म करने के लिए ग्लास या सिरेमिक का उपयोग करें। संतरे के रस या टमाटर सॉस जैसे अम्लीय खाद्य पदार्थों को प्लास्टिक में न रखें, न ही गर्म भोजन। गर्मी और अम्लता भोजन में अतिरिक्त प्लास्टिक रसायनों को फैलाना बनाते हैं।

नमक और मसालों से सतर्क रहें : माइक्रोप्लास्टिक भी आपके नमक और मसालों में गुप्त हो सकता है। 2023 में अनुसंधान ने विभिन्न लवणों का नमूना लिया और हर एक में प्लास्टिक पाया। हिमालयन गुलाबी नमक और काले नमक में सबसे अधिक निहित था, इसके बाद आयोडीन युक्त टेबल नमक कम से कम होता है। यद्यपि नमक हमारे आहार का एक अनिवार्य घटक है, उच्च-गुणवत्ता और कम-परिष्कृत नमक का चयन जोखिम को कम कर सकता है। प्रतिष्ठित स्रोतों से उपयोग करने और खरीदने से पहले मसाले धोने से भी मदद मिलती है।

ताजा खाद्य पदार्थों के लिए ऑप्ट : अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों में ताजे खाद्य पदार्थों की तुलना में अधिक माइक्रोप्लास्टिक का स्तर होता है। एक अध्ययन द्वारा नमूने वाले सभी 16 प्रोटीन युक्त प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों में माइक्रोप्लास्टिक का पता लगाया गया था। समुद्री भोजन, विशेष रूप से ब्रेडेड झींगा, में उच्च माइक्रोप्लास्टिक स्तर भी थे। नियम के अनुसार, आपके भोजन को जितना कम संसाधित किया जाएगा, उतना ही कम माइक्रोप्लास्टिक होगा। ताजा सब्जियां, फल और साबुत अनाज एक बेहतर विकल्प हैं।

ढीली पत्ती वाली चाय का प्रयोग करें : नायलॉन चाय बैग जैसे प्लास्टिक की चाय की थैलियां गर्म पानी में डूबी होने पर अरबों माइक्रोप्लास्टिक और नैनोप्लास्टिक के कणों को छोड़ती हैं। इसका तात्पर्य यह है कि प्रत्येक कप चाय में छोटे प्लास्टिक के टुकड़े हो सकते हैं। इसे रोकने के लिए, प्लास्टिक चाय बैग के बजाय ढीली पत्ती वाली चाय का विकल्प चुनें। माइक्रोप्लास्टिक्स हर जगह हैं, लेकिन छोटे बदलाव मदद कर सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राकेश व्यास द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11 प्रेस कॉम्पलेक्स जोन -1, एमपी नगर, भोपाल - 462011 (मप्र) से मुद्रित एवं प्लाट नम्बर 3, साई दिशा कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक राकेश व्यास, मो :- 09977701999, समूह संपादक सुनील दत्त तिवारी, मो :- 9713 289999, संपादक- ऋषिकान्त सिंह (रजत) परिहार, मो :- 09425002527, फोन: 0755-4222349, ईमेल आईडी: madhyaswarnim@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार होंगे। आरएनआई रजिस्टर्ड क्रमांकः- MPHIN/2013/52452

ब्राह्मण समाज के होली मिलन समारोह में गुलाल के साथ फूलों से खेली गई होली

स्थानीय ब्राह्मण समाज धर्मशाला पर ब्राह्मण समाज का होली मिलन समारोह संपन्न हुआ

गंजबासौदा (मध्य स्वर्णिम)।

स्थानीय ब्राह्मण समाज धर्मशाला पर ब्राह्मण समाज का होली मिलन समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर गुलाल व पुष्प की पंखड़ियां के साथ होली मिलन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर कलाकारों द्वारा फाग के गीत व भजनों की शानदार प्रस्तुति भी की गई। कार्यक्रम का प्रारंभ भगवान परशुराम व वामन देव के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर विधि विधान से पूजन अर्चन व स्वस्तिवाचन के साथ प्रारंभ हुआ। प्रारंभ में ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष के द्वारा स्वागत भाषण व धर्मशाला निर्माण की रूपरेखा रखी गई व धर्मशाला निर्माण के लिए अब तक दान दाताओं से प्राप्त राशि का भी उल्लेख किया। श्री शर्मा ने बताया कि अभी 2300 वर्ग फिट जगह में निर्माण कार्य जारी है शीघ्र ही भव्य परशुराम भवन बन कर तैयार होगा। और हम भी गर्व से कहेंगे कि हम हमारी धर्मशाला में बैठे हुए हैं यह हमारा भवन होगा यह प्रत्येक ब्राह्मण का भवन होगा जिसमें हम अपने सभी मांगलिक कार्य भी कर सकेंगे। इस अवसर पर उपस्थित केशव शास्त्री महाराज ने कहा कि ब्राह्मण समाज के हित में समाज के अध्यक्ष उनकी टीम निरंतर अच्छा कार्य कर रही है। श्री शास्त्री ने कहा कि हमारा सपना था, कि हमारी धर्मशाला हो जो अब पूर्ण होने जा रहा है। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष संतोष शर्मा के अलावा समाज जन उपस्थित रहे।

परशुराम जन्मोत्सव के चार दिवसीय कार्यक्रम पर लगी मोहर : बैठक में भगवान परशुराम जन्मोत्सव के तीन दिवसीय कार्यक्रम के लिए चर्चा हुई थी परन्तु भव्य होली मिलन कार्यक्रम के दौरान सर्वसम्मति से चार दिवसीय कार्यक्रम पर मोहर लग गई। जिसमें प्रथम दिवस 27 अप्रैल को उपनयन संस्कार, 28 अप्रैल को माता रेणुका की पूजन मातृ शक्ति के द्वारा सुहाग पूजन के रूप में संपन्न होगी, 29 अप्रैल को भगवान परशुराम जी की पूजन अर्चन अभिषेक व द्वारा का लोकार्पण के साथ भव्य वाहन रैली भी निकाली जायेगी, 30 अप्रैल को भगवान परशुराम जी की भव्य शोभायात्रा नौलखी धर्मशाला सिरोंज चौराह से प्रारंभ होकर मुख्य मार्गों से होती हुई धर्मशाला स्थल पर भगवान की भव्य आरती के साथ समापन होगा।

एम.पी. ट्रांसको में आयोजित हुआ फ्री हेल्थ चेकअप कैंप

कार्यक्रम का आयोजन तरंग ऑडोटोरियम रामपुर में किया गया

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)।

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) की मातृशक्तियों के लिये एक फ्री हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय मिश्रा के विशेष सहयोग से तरंग ऑडोटोरियम रामपुर में किया गया।

कैंप के प्रारंभ में एम.पी. ट्रांसको के सलाहकार अजय वास्तव, मुख्य अभियंता अतुल जोशी एवं एस.सी. घोष ने वरिष्ठ महिला चिकित्सकों का स्वागत किया। एम.पी. ट्रांसको एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस फ्री हेल्थ चेकअप कैंप का फायदा उठाते हुये बड़ी संख्या में महिला कार्मिकों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। कैंप में वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण, नि:शुल्क दवा वितरण, पैथालॉजी चेकअप किया गया। एम.पी. ट्रांसको की ओर से हेल्थ कैंप की संयोजक मती क्षमा शुक्ला के साथ आर के दीक्षित, सु अंजु नीखरे, मती श्रद्धा तिवारी, मती नुसरत सिद्धकी, रिशिका उईके, सुरेश त्रिवेदी, इकबाल खान, तरूण विजयकर, सुमंत मिश्रा ने अपनी वालिंटियर सर्विसेस देकर कैंप को सफल बनाने में अपना विशेष योगदान दिया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से डॉ. विनिता लूनावत, डॉ. अनुपमा पटेल, डॉ. अंशु साहनी, डॉ. राखी वाजपेयी, डॉ. निशा साहू के अलावा नर्सिंग आफिसर/फार्मिस्ट प्रतिभा डेविड, वर्षा नागेश्वर, दीप्ति चढ़ार, मीना ठाकरे, सरिता वर्मा, सरला धुर्वे, शिल्विया शर्मा, आश्रिता कुरैशी, सायनीय मालवीय, सोनम साहू एवं राहुल मेश्राम ने सहयोग किया।

लोक निर्माण मंत्री सिंह के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ जादूगरों को सम्मान समारोह

शहीद स्मारक प्रेक्षागृह में प्रख्यात एस.के.निगम के 77 वाँ जन्मदिन भव्यता से मनाया गया

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के मुख्य आतिथ्य में शहीद स्मारक प्रेक्षागृह में प्रख्यात जादूगर एस.के.निगम के 77 वाँ जन्मदिन भव्यता से मनाया गया। इस दौरान मंत्री सिंह ने रंगों के पवित्र पर्व होली की शुभकामनाएं दी। साथ ही एसके निगम जो कि जादू के क्षेत्र में उच्च श्रेणी के कलाकार है, उनकी 77वाँ जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी।

उन्होंने कहा कि जादू, भारत की एक प्राचीन कला है और यह कला इतनी विख्यात थी, कि लोग भारत को ही जादूगरों का देश कहने लगे थे। दुनिया में विख्यात कलाकार भारत में ही पैदा हुए और भारत का नाम रोशन किया। उन्होंने कहा कि अन्य कलाओं के संरक्षण की तरह जादू कला का संरक्षण भी होना चाहिए, जो दिशा भ्रम, मन के भ्रम के साथ कौतूहल व मन की शांति भी पैदा करती है। उन्होंने संस्कारधानी से इस कला का संरक्षण करने वाले कलाकारों का शाल, साफा व अभिनंदन पत्र से सम्मानित किया। इस अवसर पर ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल, लुधियाना पंजाब से जादूगर मोगेंबो, हैदराबाद से श्यामला वैद्य, जयपुर से हरीश यादव के साथ शहर के प्रतिष्ठित लोग व बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद थे।

दूज पर भगवान चित्रगुप्त एवं कलम-दवात की पूजन एक दूसरे को गुलाल लगाकर दी होली शुभकामनाएं

भगवान श्री चित्रगुप्त मंदिर में रविवार को होली की दूज के अवसर पर कार्यक्रम सम्पन्न

गंजबासौदा (मध्य स्वर्णिम)।

देव नगरी बेहलोट स्थित भगवान श्री चित्रगुप्त मंदिर में रविवार को होली की दूज के अवसर पर कायस्थ समाज विकास कल्याण समिति के तत्वाधान में कलम दवात पूजन एवं भगवान श्री चित्रगुप्त पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें भगवान श्री चित्रगुप्त जी की कथा का वाचन, हवन, कलम-दवात् पूजन, चित्रगुप्त जी महाराज की महाआरती, प्रसादी वितरण एवं होली मिलन कार्यक्रम हुए। इस अवसर पर मंदिर में विशेष साज-सज्जा एवं भगवान चित्रगुप्त जी एवं दोनों माता नंदनी और इरावती का नयनाभिराम श्रृंगार किया गया। होली मिलन कार्यक्रम के तहत उपस्थित कायस्थ जनों ने एक-दूसरे को तिलक लगाकर होली की शुभकामनाएं दी, छोटों ने वरिष्ठ जनों के पैर छूकर आशीर्वाद लिया एवं गुलाल से तिलक लगाकर होली खेली। श्री चित्रगुप्त जी की कथा में बताया गया कि धर्म एवं पंचांग के अनुसार, चैत्र मास की कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि को होली भाई दूज पर्व मनाया जाता है। इस दिन भगवान चित्रगुप्त की पूजा करने का विधान है। भगवान चित्रगुप्त पुण्य पाप के लेखक है, उनके हाथों में कर्म की किताब, कलम, दवात और करवाल है। वे कुशल लेखक हैं और उनकी लेखनी से अपने-अपने कर्मों के अनुसार सभी जीवों को न्याय मिलता है। इस दिन बहन अपने भाई की लंबी उम्र की कामना करती हैं। जहां भाई बहन की रक्षा का वचन देता है, वहीं बहन भाई को तिलक करती है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के प्रबुद्ध जन, महिला पुरुष एवं युवा मौजूद रहे।

छात्राओं के लिए व्यक्तित्व विकास, सम्प्रेषण कला एवं कम्प्यूटर स्किल प्रशिक्षण का आयोजन

कार्यक्रम 20 मार्च तक संचालित किया जाएगा, अवधि 50 से 60 घंटें निर्धारित है

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)।

उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रायोजित एवं उद्यमिता विकास केन्द्र मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा आयाजित विदिशा जिले की गंज बासौदा तहसील की छात्राओं के लिए व्यक्तित्व विकास, सम्प्रेषण कला एवं कम्प्यूटर स्किल प्रशिक्षण का आयोजन 24 फरवरी 2025 से किया जा रहा है जो कि 20 मार्च तक संचालित किया जाएगा। कार्यक्रम की अवधि 50 से 60 घंटें निर्धारित है। स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम उद्यमिता विकास केन्द्र सेडमैप विदिशा द्वारा पूरे मनोयोग से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के आयोजन में प्रशिक्षकों का चयन इस ढंग से किया गया है जिससे छात्राएं कार्यक्रम की अवधि पूर्ण होने पर अपने को बदला हुआ पाएंगी। कार्यक्रम का अभी करीब एक सप्ताह का समय शेष है और छात्राएं अपने आप में परिवर्तन महसूस कर रही हैं। प्रशिक्षण का उद्देश्य है कि प्रशिक्षण में शामिल विद्यार्थियों का व्यक्तित्व विकास हो, उन्हें कम्यूनिकेशन स्किल का समूचित व्यवहारिक और सैद्धांतिक ज्ञान दिया जाए साथ ही ऐसी छात्राऐं जो अब तक कम्प्यूटर का ज्ञान प्राप्त नहीं कर सकी हैं वे कम्प्यूटर का आवश्यक ज्ञान प्राप्त करें। कार्यक्रम में व्याख्याता के रूप में कम्यूनिकेशन स्किल के लिए विशेष रूप से भोपाल से आए मंजिल इंस्टीट्यूट ऑफ सॉफ्ट स्किल डेवलपमेंट के डायरेक्टर श्री शैलेन्द्र श्रीवास्तव, संजयगांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मणि मोहन मेहता द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण सेडमैप जिला समन्वयक विदिशा, दिनेश कुमार गावड़े, डॉ. प्रदन्या करंदीकर और श्री अनुराग जैन द्वारा दिया गया। कम्प्यूटर प्रशिक्षण डायरेक्टर, टारगेट कम्प्यूटर एकेडमी और पेस कम्प्यूटर प्रशिक्षक द्वारा दिया गया। प्राचार्य डॉ. यादव द्वारा प्रशिक्षण सत्र के दौरान छात्राओं को आरम्भ से ही निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. एसके यादव एवं टीपीओ डॉ. जीएल मालवीय द्वारा सक्रिय सहयोग दिया जा रहा है।

सीहोर सहित अन्य जिलों को मिलाकर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र विकसित करने की चल रही है कार्यवाही

प्रदेश के नगरों के सुव्यवस्थित विकास के लिये महत्वपूर्ण निर्णय

सीहोर (मध्य स्वर्णिम)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में औद्योगिक विकास और निवेशकों को बढ़ावा देने के साथ-साथ नगरों के सुव्यवस्थित विकास के लिये महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये हैं। राज्य में 2 मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र (महानगर) की कार्यवाही नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा की जा रही है। पहला मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र इंदौर-उज्जैन-देवास और धार को मिलाकर विकसित करने की कार्यवाही चल रही है।

इसी प्रकार दूसरा मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र भोपाल-सीहोर-रायसेन-विदिशा-ब्यावरा (राजगढ़) को मिलाकर विकसित करने की कार्यवाही चल रही है। इनके गठन से मध्यप्रदेश को एक आर्थिक विकास केन्द्र के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी। केन्द्र सरकार के विजन के अनुरूप, राज्य के प्रमुख संभाग मुख्यालय ग्वालियर, सागर, रीवा, जबलपुर, नर्मदापुरम और शहडोल को क्षेत्रीय आर्थिक विकास केन्द्र (रीजनल इकॉनामिक ग्रोथ हब) के रूप में विकसित किया जा रहा है। राज्य सरकार का यह प्रयास प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ-साथ रोजगार, व्यापार और निवेश के नये अवसरों को भी बढ़ावा देगा। प्रदेश की नगरीय क्षेत्र की भूमि बहुमूल्य संसाधन है, जिसका सुव्यवस्थित उपयोग शहरी विकास के लिये अति आवश्यक है। इसी को ध्यान में रखते हुए टीडीआर (ट्रांसफर ऑफ डेवलपमेंट राइट्स) नियम बनाये गये हैं। इन नियमों के क्रियान्वयन के लिये ऑनलाइन प्रक्रिया निर्धारित की गयी है। ऑनलाइन प्रक्रिया के लिये टीडीआर पोर्टल तैयार किया गया है। यह पोर्टल भवन निर्माताओं और सम्पत्ति मालिकों को विकास अधिकारों के हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करता है। इससे उन्हें मुआवजे के रूप में अतिरिक्त निर्माण क्षमता प्राप्त होती है।

श्यामपुर में प्रदेश के प्रथम किसान से गेंहू खरीदकर हुई गेहूं उपार्जन की शुरुआत

उपार्जन केंद्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश निर्देश

सीहोर (मध्य स्वर्णिम)।

शासन के निर्देशानुसार रबी विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन का कार्य प्रारंभ हो गया है, जो 05 माई तक चलेगा। इसी क्रम में सीहोर जिले में से समर्थन मूल्य पर गेहूं का उपार्जन प्रारंभ हो गया है। श्यामपुर तहसील के झरखेड़ा स्थित उपार्जन केंद्र में किसान धर्मेंद्र विश्वकर्मा से गेहूं की खरीदी कर उपार्जन कार्य का शुभारंभ किया गया। धर्मेंद्र विश्वकर्मा मध्य प्रदेश के पहले किसान है जिन से इस उपार्जन सीजन में गेहूं खरीदी का शुभारंभ हुआ। किसान विश्वकर्मा ने 30 क्विंटल गेहूं का विक्रय किया है तथा उन्हें 78,000 का भुगतान उनके खाते में कर दिया गया है। कलेक्टर बालागुरू के ने संबंधित अधिकारियों को उपार्जन केंद्रों पर छाया, पानी, बैठक व्यवस्था सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर बालागुरू के. द्वारा जारी आदेशानुसार कृषकों से गेहूं उपार्जन का कार्य सप्ताह में 05 दिवस (सोमवार से शुक्रवार) प्रात 8. 00 बजे से शाम 8. 00 बजे तक किया जाएगा तथा कृषक तौल पर्ची शाम 06 बजे तक जारी की जाएगी। इसके साथ ही किसानों से एफएक्यू नॉर्म्स अनुसार ही गेहूं का उपार्जन किया जाएगा। शासन द्वारा जारी उपार्जन नीति अनुसार सभी पंजीकृत किसान एफएक्यू गुणवत्ता की गेहूं ही उपार्जन केन्द्रों पर लेकर आयें।

राजस्व मंत्री ने संवेदनशीलता के साथ प्रभावित किसानों को अधिक से अधिक मुआवजा दिलाने के दिए निर्देश

राजस्व मंत्री ने ग्राम तकिया में आग से खेत में नष्ट हुई फसलों का किया निरीक्षण

सीहोर (मध्य स्वर्णिम)।

राजस्व मंत्री करण सिहं वर्मा ने श्यामपुर तहसील के ग्राम तकिया में आग से नष्ट हुई खेत में खड़ी गेंहू की फसल के नुकसान का निरीक्षण किया तथा प्रभावित किसानों से भेंटकर नुकसान के बारे में जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि गत दिवस ग्राम तकिया में 10 किसानों की लगभग 28 एकड़ की फसल अग्नि दुर्घटना में नष्ट हो गई थी। आग से जिन किसानों की फसल नष्ट हुई है उनमें ग्राम पाटन के 07 किसान, ग्राम तकिया के 02 किसान तथा ग्राम बरखेड़ा खरेट का एक किसान शामिल है। निरीक्षण के दौरान राजस्व मंत्री वर्मा ने किसानों से चर्चा की और फसल में आग लगने से हुए नुकसान की हर संभव मदद के लिए कहा। उन्होंने किसानों की पीड़ा को देखते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन किसानों की गेंहू की फसल नष्ट हुई है उन सभी किसानों को उनकी फसल का संवेदनशीलता के साथ-साथ अधिक से अधिक मुआवजा स्वीकृत किया जाए। राजस्व मंत्री वर्मा ने किसानों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि हमारी सरकार किसानो की सरकार है और विपरीत परिस्थितियों में भी हमारी सरकार किसानों के साथ डटकर खड़ी है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की मेहनत को व्यर्थ नहीं जाने देगी। किसान हमारे अन्नदाता हैं और उनकी हर पीड़ा का समाधान हमारी प्राथमिकता है। जिन किसानों की फसल नष्ट हुई है, उन्हें उचित मुआवजा मिलेगा। राजस्व मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुआवजा प्रक्रिया में किसी भी तरह की देरी न हो और किसानों को जल्द से जल्द राहत प्रदान की जाए। निरीक्षण के दौरान सन्नी महाजन, एसडीएम तन्मय वर्मा, नायब तहसीलदार अर्पित मेहता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

दुकान आवंटन के लिए दुकानदार आज करा सकते हैं पंजीयन

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)। स्कूली छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों की सुविधा के लिये कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की पहल पर ग्वालियर में 22 मार्च से 29 मार्च तक वृहद पुस्तक मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला ग्वालियर व्यापार मेला परिसर में आयोजित होगा। मेले में विभिन्न स्टॉलों के माध्यम से छात्र-छात्राओं और अभिभावकों को सस्ती दर पर स्कूली पुस्तकें, कॉपियाँ एवं स्कूल में उपयोग होने वाली अन्य सामग्री उपलब्ध कराई जायेगी। पुस्तक मेले में दुकानें लगाने के लिये उत्साहपूर्वक अब तक 70 दुकानदारों ने अपना पंजीयन करा लिया है। पंजीयन की तारीख अब सोमवार 17 मार्च तक कर दी गई है। शेष दुकानदारों से भी तत्परता से पंजीयन कराने का आग्रह किया गया है। अपर कलेक्टर श्री टी एन सिंह ने बताया कि पुस्तक मेले के लिये जिन दुकानदारों के आवेदन प्राप्त होंगे, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर स्टॉल आवंटन करने का कार्य किया जायेगा। मेले में स्टॉलों की संख्या निर्धारित नहीं की गई है। कोई दुकान एक से अधिक स्टॉल चाहेगा तो उसे उपलब्ध कराए जायेंगे।

समर्थन मूल्य पर उपार्जन के लिए पंजीयन 17 मार्च तक

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)। वर्ष 2024-25 (विपणन वर्ष 2025-26) में किसानों से समर्थन मूल्य पर चना, मसूर एवं सरसों की फसल के उपार्जन के लिए प्रदेश भर में किसानों की उपज खरीदी हेतु पंजीयन की अंतिम तारीख 17 मार्च निर्धारित है। संयुक्त संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस वर्ष चने का समर्थन मूल्य 5650 रूपए प्रति क्विंटल, मसूर का 6700 रूपए प्रति क्विंटल एवं सरसों का समर्थन मूल्य 5950 रूपए निर्धारित किया गया है। किसान भाई निर्धारित उपार्जन केन्द्र पर पहुँचकर अपनी उपज विक्रय कर सकेंगे।

19 मार्च को रंगपंचमी के अवसर पर जिले में शुष्क दिवस घोषित

सीहोर (मध्य स्वर्णिम)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री बालागुरू के. ने जिले में होली पर्व के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए 19 मार्च 2025 को शाम 05 बजे तक रंगपंचमी पर्व के अवसर पर जिले में शुष्क दिवस घोषित किया है। शुष्क दिवस में सीहोर जिले की सभी 71 कम्पोजिट मदिरा दुकान, एफ एल-3 होटल बार, गोदाम तथा जिले के देशी मद्य भाण्डागार शाम 5.00 बजे तक बंद रहेंगे।

ग्राम तकिया के प्रभावित किसानों से मिले विधायक सुदेश राय

सीहोर (मध्य स्वर्णिम)। विधायक सुदेश राय ने श्यामपुर तहसील के ग्राम तकिया में आग से नष्ट हुई खेत में खड़ी गेंहू की फसल के नुकसान का निरीक्षण किया तथा प्रभावित किसानों से भेंटकर नुकसान के बारे में जानकारी ली और हर संभव मदद दिलाने के लिए कहा। निरीक्षण के पश्चात लौटते समय उन्होंने गांव के बच्चों को चॉकलेट वितरित कीं तथा एक बालिका के पास स्कूल के लिए ड्रेस एवं जूते नहीं होने पर तत्काल क्रय करने के लिए राशि प्रदान की।

बिजली कंपनियों में रिक्त पदों की भर्ती के लिए ऑनलाइन परीक्षा 20 मार्च से प्रारंभ

सीहोर (मध्य स्वर्णिम)। ऊर्जा विभाग के अधीन तीनों बिजली वितरण कंपनियों, ट्रांसमिशन कंपनी, जनरेशन कंपनी और पॉवर मैनेजमेंट कंपनी में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के रिक्त 2573 पदों के लिए ऑनलाइन परीक्षा कार्यक्रम 20 से 30 मार्च तक घोषित कर दिया गया है। यह परीक्षा इंदौर, भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, सतना, सागर में होगी। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि इन भर्तियों से बिजली वितरण, जनरेशन, ट्रांसमिशन कार्यों के अलावा कार्यालयीन व्यवस्थाओं में काफी आसानी होगी। ऊर्जा विभाग में भर्ती के लिए नोडल कंपनी मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि लॉ असिस्टेंट, असिस्टेंट लॉ ऑफिसर के लिए परीक्षा 20 मार्च को सुबह 9 से 11 बजे, स्टोर असिस्टेंट, ड्रेसर, फायर मैन, जूनियर स्टेनोग्राफर, सिक्योरिटी गार्ड के लिए दोपहर 1 से 3 और जूनियर इंजीनियर मैकेनिकल प्लांट के लिए शाम 5 से 7 तक परीक्षा होगी।

मूंग फसल में पैराक्वाट एवं ग्लाइफोसेट का छिड़काव न करें किसान

सीहोर (मध्य स्वर्णिम)। कृषि विभाग द्वारा जिले के सभी किसानों को सलाह दी गई है कि ग्रीष्मकालीन मूंग फसल पर पैराक्वाट एवं ग्लाइफोसेट (सफाया) का उपयोग न करें तथा कम से कम पेस्टीसाइडस का छिडकाव करें। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक श्री केके पांडे ने बताया कि ग्लाइफोसेट एक शाकनाशी है। साधारण तौर पर इसका उपयोग सकरी एव चौड़ी पत्तियों वाले पौधों को मारने के लिए किया जाता है। यह देखा गया है कि सीहोर जिले के ज्यादातर कृषक ग्रीष्मकालीन मूंग की फसल की कटाई हारवेस्टर द्वारा कराते हैं तथा हारवेस्टर से कटाने के लिए फसल को जल्द सुखाया जा सके इसके लिए पैराक्वाट एवं ग्लाइफोसेट का अंधाधुंध उपयोग करते है। इससे मानव ही नही बल्कि अन्य जीवों जैसे पशु-पक्षियों, मछलियों आदि के तंत्रिका तंत्र की संरचना और उनकी कार्यप्रणाली को नुकसान पहुंचाता है। ग्लाइफोसेट पौधों की वृद्धि के लिए आवश्यक अमीनो एसिड के उत्पादन को अवरूद्ध करके उन्हें नष्ट कर देता है। ग्लाइफोसेट मिट्टी और पानी में मौजूद रह सकता है और यह कृषि के लिए लाभदायक कुछ सूक्ष्मजीवों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। इसके उपयोग से पाचन, श्वसन, तंत्रिका तंत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। इसके साथ ही यह आंखों के लिए नुकसानदायक है।

नगर पालिका परिषद जशपुर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष और 20 वार्डों के पार्षदों ने ली शपथ

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में नगर पालिका परिषद, जशपुरनगर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अरविंद भगत एवं 20 वार्डों के पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह आज स्वामी आत्मानंद शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर जशपुर में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को बधाई और शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि नगर की स्वच्छता, सुव्यवस्था और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए पार्षदगण अपनी पूरी ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। नागरिकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही आपकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी होगी।

मुख्यमंत्री ने नवनिर्वाचित पार्षदों से स्वच्छता, बुनियादी सुविधाओं और स्मार्ट शहर निर्माण की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन और नागरिकों के सहयोग से जशपुरनगर को एक आदर्श नगर बनाया जाएगा। शपथ ग्रहण के उपरांत विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

बीजापुर में पंचायत सचिव संघ ने अपनी मांगों को लेकर बेमियादी आंदोलन की चेतावनी दी

संघ अपनी मांग को लेकर सड़क पर उतरेगा, आज करेगा विधानसभा घेराव

बीजापुर (एजेंसी)।

नगरीय निकाय व त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव सम्पन्न होते ही पंचायत सचिव संघ अपनी लंबित मांगों को लेकर विधानसभा घेराव कर प्रदेश के सभी ब्लाक मुख्यालयों में बेमियादी आंदोलन छेड़ने की चेतावनी दी है। प्रदेश के समस्त जिले के ग्राम पंचायतों के सचिव आगामी दिनों में अनिश्चित कालीन आंदोलन पर चले जायेंगे। प्रदेश पंचायत सचिव संघ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष कोमल निषाद ने बताया कि सरकार को मोदी की गारंटी याद दिलाते हुए शासकीयकरण की एक सूत्रीय मांग को लेकर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉक्टर रमन सिंह को ज्ञापन सौपा है। उन्होंने बताया कि आक्रोशित सचिव संघ ने चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी देते हुए आगामी 17 मार्च को विधानसभा का घेराव और 18 मार्च से प्रदेश भर के सभी ब्लाक मुख्यालयों अनिश्चितकालीन हड़ताल किया जाएगा। साथ ही आंदोलन को धार देते हुए संघ ने आगामी एक अप्रैल को मंत्रालय घेराव का भी निर्णय लिया हैं।

प्रदेश सचिव संघ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष कोमल निषाद ने आगे बताया कि वर्ष 2023-24 में विधानसभा चुनाव के दौरान मोदी की गारंटी में पंचायत सचिवों को शासकीय करण करने का वादा किया गया है। 1995 से अब तक कार्यरत ग्राम पंचायत सचिवों को शासकीयकरण की गारंटी दी गई है। बीते 7 जुलाई 2024 को रायपुर के इंडोर स्टेडियम के सभागार में मुख्यमंत्री विधान सभा अध्यक्ष उप मुख्यमंत्री, मंत्री महिला एवं बाल विकास विभाग तथा घोषणा के संयोजक दुर्ग सांसद की मौजूदगी के बीच सभी के द्वारा पंचायत सचिवों के शासकीय करण को अति आवश्यक मानते हुए शीघ्र ही शासकीयकरण करने भरोसा देते हुए मुख्यमंत्री द्वारा मोदी की गारंटी को पूरा करने हेतू तत्काल कमेटी गठन करने की घोषणा करते हुए शासकीयकरण करने का भरोसा दिया गया। मुख्यमंत्री के घोषणा अनुरूप 16 जुलाई 2024 को पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग द्वारा समिति गठन कर 30 दिवस के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतू उल्लेख किया गया था।

रेलवे क्रॉसिंग पर जा रही मालगाड़ी को ट्रक ने टक्कर, ओपन फाटक के चलते घटना घटी

दीपका एसईसीएल साइडिंग पर बड़ा हादसा हुआ

कोरबा (एजेंसी)।

दीपका एसईसीएल सिरकी रेलवे साइडिंग पर एक बड़ी घटना सामने आई है। जहां रेलवे ट्रैक पर ओपन फाटक पार कर रही एक मालगाड़ी को ट्रक ने टक्कर मार दी। ट्रक की रफ्तार इतनी तेज थी कि मालगाड़ी के सबसे पीछे वाले हिस्से में गार्ड ब्रेक डिब्बा पटरी से नीचे उतर गया। इस हादसे के बाद हड़कंप मच गया। देखते ही देखते राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई। इस हादसे में ट्रक चालक को मामूली चोंटे आई हैं। वहीं इसकी सूचना संबंधित एसईसीएल प्रबंधन विभाग और रेलवे प्रबंधन को भी दी गई। जहां रेलवे आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंचे घटनाक्रम की जानकारी ली। बताया जा रहा है कि दीपका एसईसीएल सिरकी रेलवे साइडिंग पर मालगाड़ी ओपन फटाक से गुजर रही थी। इस दौरान ट्रक तेज रफ्तार में आया और चालक को लगा कि वह मालगाड़ी आगे निकल जाएगी लेकिन ट्रक की रफ्तार अधिक होने के कारण मालगाड़ी के सबसे अंतिम गार्डन ब्रेक डिब्बा पर जा टकराया। जहां वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि वाहन की रफ्तार इतनी तेज थी कि आवाज आने के बाद लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। वहीं मालगाड़ी के गार्ड ब्रेक का डिब्बा पटरी से उतर गया। साइडिंग के तीन नम्बर पटरी पर हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद रेलवे ट्रैक जाम हो गया।

रायगढ़ में लाश से हड़कंप, तालाब किनारे मिला युवक का शव

सिर पर चोट के निशान, ग्रामीणों से पूछताछ

रायगढ़ (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में तालाब किनारे संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक की लाश मिलने से पूरे गांव में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच कर शव को पीएम के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस गांव के ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है। उक्त मामला लैलूंगा थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, रायगढ़ जिले के लैलूंगा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बनेकेला निवासी फागुलाल राठिया 35 साल की लाश रविवार को भेड़िमुड़ा रोड में तालाब के पास मिली। जिससे पूरे गांव में सनसनी फैल गई। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। गांव के ग्रामीणों ने बताया कि मृतक फागुलाल राठिया के सिर में चोट के निशान हैं। जिससे आशंका जताई जा रही है।

अज्ञात लोगों ने मिलकर फागुलाल राठिया की हत्या की वारदात को अंजाम दिया। इस मामले में लैलूंगा पुलिस का कहना है कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही युवक की मौत के कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

युवाओं के सपनों को लगे पंख, सीएम विष्णुदेव साय ने जशपुर में की विमान उड़ान प्रशिक्षण की शुरुआत

आगडीह हवाई पट्टी में 3 सीजी एयर स्क्वाड्रन एनसीसी रायपुर के कैडेट्स से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया

रायपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने आज 16 मार्च को जशपुर जिले के आगडीह हवाई पट्टी में 3 सीजी एयर स्क्वाड्रन एनसीसी रायपुर के कैडेट्स से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कैडेट्स के अनुभव सुने और जशपुर में पहली बार शुरू हुए विमान उड़ान प्रशिक्षण को एक ऐतिहासिक पहल बताया। उन्होंने कहा कि जशपुर अब केवल पर्यटन और प्राकृतिक सौंदर्य का केंद्र नहीं, बल्कि विमानन प्रशिक्षण का नया हब भी बन रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को हर क्षेत्र में करियर निर्माण के लिए आवश्यक संसाधन और अवसर प्रदान करने के लिए संकल्पबद्ध है। अब युवा पायलट बनने का भी सपना साकार कर सकते हैं, जिसके लिए सरकार हर संभव सहायता उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर माइक्रो लाइट एयर स्क्वाड्रन विमान का अवलोकन किया और उसकी तकनीकी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कैडेट्स को जशपुर के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण करवाया जाए, ताकि वे जिले के प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता से परिचित हो सकें। उन्होंने यह भी बताया कि जशपुर में काजू, चाय पत्ती, नाशपाती और सेब की खेती बड़े पैमाने पर हो रही है, जिससे यहां की कृषि को नया आयाम मिला है। जशपुर जिले में 7 मार्च 2025 से कैडेटों को सुबह विमान उड़ाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण के दौरान विमान आकाश में उड़ान भरने के बाद सुरक्षित लैंड करता है, जिससे कैडेट्स को व्यावहारिक अनुभव मिलता है। रायपुर से बाहर पहली बार जशपुर जिले में इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिससे कैडेट्स में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है।

मरीज को लेने जा रही तेज रफ्तार 102 महतारी एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त

अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर पलटी, राहगीरों ने निकाला चालक को बाहर

कोरबा (एजेंसी)।

सिविल लाइन थाना अंतर्गत बेन्द्रकोना गांव के पास एक तेज रफ्तार 102 महतारी एक्सप्रेस अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर पलट गई। इस हादसे के बाद देखते ही देखते राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई और किसी तरह चालक को वाहन से बाहर निकाला। बताया जा रहा है कि देर रात 102 महतारी एक्सप्रेस को इवेंट मिला। जहां वह मरीज को लेने के लिए जिला मेडिकल कॉलेज से रवाना हुई। इस दौरान बेन्द्रकोना मुख्य मार्ग पर 102 महतारी एक्सप्रेस अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर पलट गई। वाहन का चालक देवदास के कंधे और हाथ पर गंभीर चोटें हैं। जिन्हें राजगीरों की मदद से बाहर निकाला गया। इसकी सूचना महतारी एक्सप्रेस के उच्च अधिकारियों को दी गई। बताया जा रहा है कि कोरबा की तरफ से महतारी एक्सप्रेस जा रही थी। वहीं बेन्द्रकोना की तरफ से एक तेज रफ्तार कार आ रही थी।

देश-विदेश

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

नदी नालों के पास रहने वाले लोगों को कैंसर का खतरा अधिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैंसर जैसी बीमारी मरीज ही नहीं, पूरे परिवार को बर्बाद कर देती है। ताजा रिपोर्ट आई है, इसमें कहा गया है कि नदी नालों के पास रहने वाले लोगों को कैंसर होने का खतरा अधिक होता है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की स्टडी रिपोर्ट की लिखित जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने राज्यसभा में दी है। उन्होंने बताया कि अध्ययन के नतीजों में सामने आया है कि सीसा (लेड), लोहा (आयरन) और एल्युमिनियम केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की तय सीमा से ज्यादा मिले हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि मोदी सरकार कैंसर के इलाज की बेहतर सुविधाएं देने के लिए काम कर रही है। इसके लिए स्ट्रेंग्थनिंग ऑफ टर्शियरी केयर कैंसर फैसिलिटीज स्कीम लागू है। इस योजना के तहत 19 स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (एससीआई) और 20 टर्शियरी केयर कैंसर सेंटर (टीसीसीसीएस) को मंजूरी दी गई है। हरियाणा के झज्जर में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान और कोलकाता में चित्तरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान का दूसरा कैंपस भी तैयार हो रहा है।

एच5एन1 वैक्सीन से किशोरों और बच्चों के लिए लाभप्रद

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए अध्ययन में सामने आया हैं कि एच5एन1 वैक्सीन से किशोरों और बच्चों को अधिक लाभ हो सकता है, भले ही यह वैक्सीन मौजूदा वायरस के लिए विशेष रूप से न बनी हो। अमेरिकी शोधकर्ताओं ने बताया कि कुछ खास प्रकार के मौसमी फ्लू वायरस से पहले हुए संक्रमण, एच5एन1 बर्ड फ्लू के खिलाफ शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर सकते हैं। अध्ययन में पता चला कि 1968 से पहले के फ्लू वायरस के संपर्क में आए बुजुर्गों में एच5एन1 वायरस से लड़ने वाली एंटीबॉडी अधिक पाई गईं। शोधकर्ताओं ने बताया, बचपन में हुए फ्लू संक्रमण से बनी रोग प्रतिरोधक क्षमता जीवन भर रहती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि दशकों पहले एच1एन1 और एच3एन2 वायरस के संपर्क में आने से बनी एंटीबॉडी अब एच5एन1 वायरस से भी प्रतिक्रिया कर सकती हैं। हालांकि ये एंटीबॉडी संक्रमण को पूरी तरह रोकने में सक्षम नहीं हैं, लेकिन अगर एच5एन1 का प्रकोप बढ़ा तब यह बीमारी की गंभीरता को कम कर सकती हैं।

रूस सुमी क्षेत्र पर हमले की बना रहा योजना : जेलेंस्की

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि यूक्रेनी सैनिक अब भी रूस के कुर्स्क क्षेत्र में रूसी और उत्तर कोरियाई सेनाओं से मुकाबला करर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि रूस सुमी क्षेत्र पर हमले की योजना बना रहा है। सोशल मीडिया पर जारी बयान में जेलेंस्की ने कहा कि कीव के सैनिक कुर्स्क में घिरे नहीं हैं, लेकिन रुस एक अलग हमले के लिए अपनी सेना इकट्ठा कर रहा है। उन्होंने कहा कि रूस की सुमी क्षेत्र पर हमला करने की योजना है। हमें इसकी जानकारी है और हम पूरी ताकत से इस हमले का मुकाबला करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हजारों यूक्रेनी सैनिकों ने 2024, अगस्त में रूस के कुर्स्क क्षेत्र के करीब 1300 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर कब्जा कर रखा था। इस दौरान यूक्रेन ने कहा था कि यह कदम भविष्य की वार्ताओं में मोलभाव करने और रूस को पूर्वी यूक्रेन से पीछे हटने के लिए मजबूर करने का प्रयास था।

आयुष्मान योजना में उम्र सीमा 60 साल और राशि को बढ़ाकर 10 लाख करे मोदी सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण पर बनी समिति ने दिया सुझाव

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मोदी सरकार की आयुष्मान योजना के तहत मुफ्त इलाज की उम्र सीमा 60 साल करना चाहिए। इसके साथ ही इलाज के लिए मिलने वाली 5 लाख रुपए की राशि को भी बढ़ाकर 10 लाख करना चाहिए। अभी योजना के तहत 70 साल के बुजुर्गों को ही इसका फायदा मिलाता है।स्वास्थ्य और परिवार कल्याण पर राज्यसभा सांसद राम गोपाल यादव की अध्यक्षता वाली समिति ने केंद्र से यह सिफारिश की है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को आयुष्मान स्वास्थ्य योजना का फायदा मिल सके।

केंद्र ने पिछले साल 11 सितंबर को हाल ही में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबीपीएमजेवाय) का विस्तार करके एबीपीएमजेवाय वय वंदना योजना के तहत 4.5 करोड़ परिवारों के 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को योजना में शामिल किया है। आयुष्मान भारत दुनिया की सबसे बड़ी बीमा योजना है, जो देश के सबसे गरीब 40 प्रतिशत लोगों को हर साल 5 लाख रुपए तक की मुफ्त इलाज की सुविधा देती है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के तहत केंद्र ने यह योजना साल 2017 में शुरू की थी। हालांकि, पश्चिम बंगाल सहित कई राज्य योजना को मानने से इंकार कर रहे हैं और राज्य में खुद अपनी योजना चला रहे हैं। इस योजना के तहत देश भर के सिलेक्टेड सरकारी और निजी अस्पतालों में इलाज कराया जा सकता है।

यह सफर उन लोगों की मेहनत को दर्शाता है जिन्होंने आयोजन को यादगार बनाया : मोदी

मुंबई। राजस्थान के जयपुर में पिछले हफ्ते आईफा अवार्ड्स समारोह का समापन हो गया, जिसमें कई देशी विदेशी फिल्मी सितारों ने शिरकत की। आईफा का इस बार यह 25वां संस्करण बहुत अहम रहा, क्योंकि यह इस प्रतिष्ठित अवार्ड शो की सिल्वर जुबली थी। इस आयोजन में न केवल सिनेमा की दुनिया के कलाकारों और तकनीशियनों को सम्मानित किया गया, बल्कि भारतीय फिल्म उद्योग की उपलब्धियों का भी जश्न मनाया गया। पीएम मोदी ने आईफा अवार्ड्स के इस खास मौके पर एक संदेश जारी किया, जिसे आईफा के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। संदेश में पीएम मोदी ने लिखा, मुझे अंतर्राष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी आईफा पुरस्कारों के 25वें संस्करण के बारे में जानकर खुशी हुई। ढाई दशकों का यह सफर उन सभी लोगों की मेहनत को दर्शाता है जिन्होंने आईफा को यादगार बनाया है।

कांग्रेस नेता की गिरफ्तारी को जयराम रमेश ने बताया बर्बरता से भी बदतर

असम सीएम बोले-आप सिर्फ इंतजार कीजिए अभी बड़े खुलासे होने बाकी हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

असम कांग्रेस यूनिट के प्रवक्ता रीतम सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट की थी जिसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। रीतन की गिरफ्तारी के बाद से राज्य में कांग्रेस और बीजेपी आमने-सामने आ गईं। रीतम सिंह ने एक पूर्व राज्य प्रमुख और दो वर्तमान विधायकों समेत तीन वरिष्ठ बीजेपी नेताओं के खिलाफ दर्ज मामलों की स्थिति के बारे में पूछताछ के लिए एक्स पर पोस्ट किया था। इस पोस्ट के बाद उन पर एक्शन लिया गया। कांग्रेस ने इस एक्शन को बर्बरता से भी बदतर बताया है।

बता दें धेमाजी जिले में 2021 में दुष्कर्म के एक मामले में कोर्ट द्वारा तीन व्यक्तियों को दोषी ठहराए जाने के बारे में एक अखबार में छपी रिपोर्ट के साथ एक्स पर रीतम सिंह ने एक पोस्ट की थी। उनके इस पोस्ट के बाद बीजेपी विधायक मनाब डेका की पत्नी ने शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद गुवाहाटी पुलिस की मदद से लखीमपुर जिला पुलिस ने रीतम सिंह को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया।

रीतम सिंह की गिरफ्तारी के बाद कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि बिल्कुल उचित सोशल मीडिया पोस्ट के लिए मेरे युवा सहयोगी रीतम सिंह की गिरफ्तारी अत्याचारी मुख्यमंत्री से भी बदतर है। जयराम रमेश ने इस पोस्ट में असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा को भी टैग किया। जयराम रमेश के पोस्ट पर जवाब देते हुए सीएम सरमा ने लिखा- सर, यह मामला एक दलित महिला के जाति-आधारित अपमान से जुड़ा है। अगर आप एक दलित महिला के पति को बलात्कारी कहने को बिल्कुल उचित ठहराते हैं, तो यह बताता है कि आप लोग कांग्रेस पार्टी को किस दिशा में ले गए हैं। सीएम ने आगे लिखा लेकिन आप सिर्फ इंतजार कीजिए, अभी बड़े खुलासे होने बाकी हैं। सितंबर तक आपके वरिष्ठ नेता की आईएसआई और पाकिस्तान के साथ सांठ-गांठ का पर्दाफाश भी हो जाएगा।

तूफानी बवंडर से हिल गया अमेरिका, 27 की मौत, 10 करोड़ लोगों पर संकट

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में एक भयानक तूफान देखने को मिला है, जिसने भारी तबाही मचाई है। अमेरिका के कुछ हिस्सों में हिंसक बवंडर का खतरा जानलेवा और विनाशकारी साबित हुआ। शनिवार को मिसिसिपी वैली और डीप साउथ की ओर तेज हवाएं बढ़ीं, जिसमें कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई और कई घर तबाह हो गए। मिसौरी, अर्कांसस, टेक्सास और ओक्लाहोमा सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्य हैं। देश भर में चल रहे एक विशाल तूफान प्रणाली के कारण हवाएं पैदा हुई, जिसने घातक धूल भरी आंधी और 100 से अधिक जंगल की आग को भड़काया। कनाडाई सीमा से टेक्सास तक 80 मील प्रति घंटे (130 किमी प्रति घंटे) तक की हवाएं चलने की संभावना है, जो ठंडे उत्तरी क्षेत्रों में बर्फीले मौसम और गर्म, शुष्क क्षेत्रों में जंगल की आग के खतरे को बढ़ा सकती हैं। पूरे देश में 10 करोड़ लोगों पर इसका असर पड़ सकता है। ओक्लाहोमा में 130 से ज्यादा आग की घटनाएं दर्ज की गई, जिस कारण कुछ इलाकों को खाली करने का आदेश दिया गया। ओक्लाहोमा में आग के कारण लगभग 300 घर क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गए हैं।

वोटर आईडी को आधार से लिंक करने पर विचार, 18 को बैठक में होगा तय

केंद्रीय गृह सचिव, विधाई विभाग के सचिव और यूआईडीएआई के सीईओ के साथ बैठक करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चुनाव आयोग 18 मार्च को एक बड़ी बैठक करने जा रहा है। इसमें वोटर आईडी कार्ड को आधार कार्ड से जोड़ने पर चर्चा होगी। केंद्रीय गृह सचिव, विधायी विभाग के सचिव और यूआईडीएआई के सीईओ के साथ बैठक करेगा। इस बैठक में वोटर आईडी को आधार कार्ड से जोड़ने के लंबे समय से चले आ रहे मुद्दे पर चर्चा होगी। यह चर्चा ऐसे समय हो रही है जब इस पर राजनीतिक बहस छिड़ी हुई है, खासकर पश्चिम बंगाल में वोटर आईडी की डुप्लीकेट एंट्री को लेकर तृणमूल कांग्रेस की चिंताओं के बाद। चुनाव आयोग ने अगले तीन महीनों में डुप्लीकेट वोटर एंट्री हटाने की योजना की घोषणा की है। फिलहाल चुनाव कानून (संशोधन) विधेयक, 2021 चुनाव अधिकारियों को मतदाताओं के आधार नंबर मांगने की अनुमति देता है। लेकिन यह स्वैच्छिक है और कानूनी और

गोपनीयता संबंधी चिंताओं से घिरा है। चुनाव आयोग ने अपने डेटाबेस में स्वेच्छा से बड़ी संख्या में आधार नंबर दर्ज किए हैं। लेकिन गोपनीयता की चिंताओं के कारण दोनों प्रणालियों को पूरी तरह से एकीकृत नहीं कर पाया है। इसके बावजूद, चुनाव आयोग लगातार आधार सीडिंग का समर्थन करता रहा है। चुनाव आयोग इसे मतदाता सूची में दोहराव रोकने का एक तरीका मानता है।

ब्लूचिस्तान में बीएलए के विस्फोट से 90 सैनिकों की दर्दनाक मौत

26 लोग घायल, बीएलए ने ली हमले की जिम्मेदारी

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

ट्रेन हाईजैकिंग के सदमे से अभी पाकिस्तान उबर भी नहीं पाया था कि बलूचिस्तान में एक और आतंकी हमला हो गया। बलूचिस्तान के नोशकी में घात लगाकर किए गए हमले में 12 पाकिस्तानी सैनिक की मौत हो गई और 26 घायल हो गए। नोशकी इलाका अफगानिस्तान की सीमा के पास है।

बलूचिस्तान के नोशकी में एन-40 हाईवे पर फ्रंटियर कॉर्प्स की बस पर हमला किया। अधिकारियों के मुताबिक पहले हमला एक विस्फोट के साथ हुआ। सैनिक संभल पाते इससे पहले उनके ऊपर गोलीबारी कर दी जिसमें कई सैनिकों की मौत हो गई। हमले की जिम्मेदारी बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने ली है। बीएलए का दावा है कि उसके हमले में 90 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। बीएलए ने कहा कि उसकी आत्मघाती शाखा मजीद ब्रिगेड ने पाकिस्तानी आर्मी के काफिले को निशाना बनाया।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

बुमराह चोट बनी वजह मुंबई इंडियंस के शुरुआती मैंच में नहीं खेल पाएंगे

मुंबई (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शुरुआती दौर के मैचों में नहीं खेलने वाले हैं, क्योंकि मुंबई इंडियंस का स्टार तेज गेंदबाज अभी भी पीठ के निचले हिस्से की चोट से उबर रहे है, इसकारण वे जनवरी से ही प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर हैं। बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जनवरी में सिडनी में हुए पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच के दूसरे दिन चोटिल हो गए थे और वे दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। एक सूत्र ने बताया कि उनकी चोट से उबरने की प्रगति अच्छी है, लेकिन जून में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की टेस्ट सीरीज को

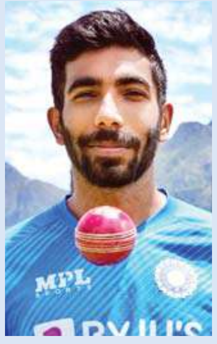

देखकर, इस स्तर पर उन्हें पूर्ण फिटनेस हासिल करने के लिए कुछ और समय देना बेहतर होगा। रिपोर्ट के अनुसार पता चला है कि बुमराह के अप्रैल की शुरुआत तक टीम से जुड़ने की उम्मीद है। बुमराह ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए खेली गई सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए 32 विकेट लिए थे लेकिन इसके बाद वह कोई मैच नहीं खेल सके। चोटिल होने के कारण वे आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भी भाग नहीं ले पाए थे, जिसमें भारतीय टीम चैंपियन बनी थी। तेज गेंदबाज को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में चुना गया था लेकिन फिटनेस हासिल नहीं कर पाने के कारण उन्हें अंतिम टीम में नहीं रखा गया। मुंबई की टीम 23 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी और 29 मार्च को गुजरात टाइटंस का सामना करने के लिए अहमदाबाद जाएगी। इसके बाद वह कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 31 मार्च को अपने घरेलू मैदान पर मैच खेलेगी। वह चार अप्रैल को लखनऊ सुपर जॉइंट्स और सात अप्रैल को रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु का सामना करेगी।

2021 टी–20 वर्ल्डकप में खराब प्रदर्शन के बाद मिलने लगी थी धमकियां : वरुण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने कहा है कि 2021 टी20 वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन के बाद उन्हें धमकी भरे फोन आए थे उनके घर का पता लगाया गया। यहां तक कि एयरपोर्ट से उनका पीछा भी किया गया। यह टूर्नामेंट दुबई में चार साल पहले हुआ था। वरुण ने 2020 और 2021 के इंडियन प्रीमियर लीग सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने पहले सीजन में 17 जबकि दूसरे में 18 विकेट लिए थे। विराट कोहली की अगुवाई वाली भारतीय टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और पहले दौर से ही बाहर हो गई। टीम को पाकिस्तान और न्यूजीलैंड जैसी टीमों से हार का सामना करना पड़ा था और वे नॉकआउट में जगह नहीं बना पाई थी। यह टूर्नामेंट वरुण चक्रवर्ती के लिए भूलने वाला नहीं था, क्योंकि उन्होंने सिर्फ तीन मैच खेले और एक भी विकेट नहीं लिया था। उन्होंने अपने फैंस की प्रतिक्रिया के बारे में खुलासा किया और बताया कि उन्हें धमकी भरे कॉल्स आए और एयरपोर्ट से उनका पीछा किया गया और उनके घर का पता भी लगाया गया। उन्होंने यूट्यूब पर एक पॉडकास्ट में बताया कि 2021 वर्ल्ड कप मेरे लिए एक काला अध्याय था। मैं उस समय डिप्रेशन में था। मैं टीम में बहुत उम्मीदों के साथ आया था, लेकिन एक भी विकेट नहीं ले सका।

क्रिकेटरों ने खेली होली, सचिन को यूसुफ पठान ने रंगों से नहला दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेटरों ने भी जमकर होली खेली। युवराज सिंह को रंग लगवाना पसंद नहीं है, लेकिन सचिन तेंदुलकर ने युवराज के कमरे में घसुकर उन्हें रंग से नहला दिया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें सचिन पिचकारी लेकर युवराज सिंह के कमरे में जाते हैं और उन्हें रंग से तरबतर कर देते। इस दौरान सचिन के साथ कई और खिलाड़ी भी थे। सचिन ने युवराज के साथ वाली हरकत अंबाती रायुडू के साथ भी दोहराई। उन्होंने रायुडू को भी रंग से नहला दिया। यह वीडियो को काफी पसंद किया जा रहा है। अब सचिन तेंदुलकर कैसे बच सकते थे। उन्हें भी युसूफ पठान ने अपना शिकार बनाया। वीडियो में एक जगह पर सचिन जब पिचकारी में रंग भर रहे थे तब युसूफ पठान एक बाल्टी पानी लेकर आए और सचिन को नहला दिया। वीडियो में दिखाई दे रहे कुछ और लोग युसूफ पठान पर पिचकारी से रंगों डाल रहे हैं। यह पूरी घटना इंडिया मास्टर्स लीग के अगले दिन की सुबह हुई।

टीम इंडिया के डब्लयूटीसी फाइनल में नहीं पहुंचने से टिकटों की कीमतें आधीं हुईं

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के इस बार आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) के फाइनल में नहीं पहुंचने से लॉर्ड्स स्टेडियम को भी करोड़ों रुपये का नुकसान हो सकता है। डब्लयूटीसी का फाइनल लॉर्ड्स स्टेडियम में ही खेला जाना है। भारतीय टीम अगर फाइनल में पहुंचती तो इसका रोमांच बढ़ता और टिकटों की कीमतें ऊपर चली जाती पर अब कीमत को आधा करना पड़ा है। ऐसे में जून में लॉर्ड्स में होने वाले पांच दिवसीय मैच की मेजबानी के दौरान करीब चार मिलियन पाउंड (लगभग 45 करोड़ रुपये) का नुकसान होने का अनुमान है। पिछले दो सत्र में उपविजेता रही भारतीय टीम इस बार पहले ही बाहर हो गयी थी। खिताबी मुकाबले में अब ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका से होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, 'भारत के क्वालीफाई करने में विफल रहने के कारण लॉर्ड्स को कम राजस्व प्राप्त होगा।' इसे खेल में भारतीय क्रिकेट का प्रभाव पता चलता है। एमसीसी ने फाइनल में भारत के पहुंचने के अनुमान के साथ मूल रूप से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए टिकट की अधिक कीमत निर्धारित की थीं। जब यह स्पष्ट हो गया कि भारत फाइनल में नहीं पहुंचेगा, तो एमसीसी ने अपनी रणनीति में संशोधन किया और टिकट की कीमत कम कर दीं।

इस बार आईपीएल-2025 में बदले नजर आएंगे कई टीमों के कप्तान

चेन्नई सुपरकिंग्स ने ऋतुराज तो लखनऊ ने ऋषभ पंत को सौंपी है टीम की कमान

मुंबई (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार कई टीमों ने कप्तान बदले हैं। चेन्नई सुपरकिंग्स की कमान ऋतुराज गायकवाड़ के हाथ में सौपी गई है। चेन्नई ने पिछले सीजन में ही ऋतुराज को कप्तानी सौंपी थी। जब सभी टीमों के कप्तान फोटो सेशन के लिए आए तब जाकर इसके बारे में पता चला था। वहीं लखनऊ सुपरजायंट्स ने इस सीजन में अपना कप्तान बदला है। लखनऊ ने ऋषभ पंत को टीम कप्तान बनाया है। पंत को एलएसजी की टीम ने 27 करोड़ रुपए की भारी-भरकम रकम चुकाकर अपने साथ किया है।

मुंबई इंडियंस ने पिछले साल ही रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पांड्या को कप्तान दिया था। हालांकि पिछले सीजन में हार्दिक की खूब आलोचना हुई थी। इसके बाद हार्दिक ने टी20 वर्ल्डकप और चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अच्छे खेल से प्रशंसकों का दिल जीता है। उन्हें इस सीजन में समर्थन की उम्मीद है। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल में काफी संघर्ष किया है। हालांकि पिछले सीजन में उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस को कमान सौंपी थी। इसके बाद कमिंस एसआरएच को फाइनल तक ले गए थे।

वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स ने भी नेतृत्व परिवर्तन किया है। पिछले साल केकेआर को चैंपियन बनाने वाले श्रेयस अय्यर को रिटेन नहीं किया। अब इस साल उन्होंने अजिंक्या रहाणे को कप्तान बनाया है। उम्मीद है रहाणे के अनुभव का फायदा केकेआर को मिलेगा।

पिछले साल जब हार्दिक पांड्या गुजरात का साथ छोड़कर गए थे तो टीम ने उनकी जगह गिल को कप्तान बनाया था। हालांकि गिल के लिए बतौर कप्तान पहला सीजन यादगार नहीं रहा, लेकिन इस साल टीम इंडिया में अच्छे प्रदर्शन के बाद वह अपनी फ्रेंचाइजी के लिए इसे दोहराना चाहेंगे। पंजाब किंग्स ने भी अपना कप्तान बदल दिया है। अभी तक टीम की कप्तानी शिखर धवन कर रहे थे। इस साल पंजाब ने श्रेयस को कप्तानी सौंप दी है।

दिल्ली कैपिटल्स का इस सीजन में कप्तान कौन होगा, इसको लेकर काफी ऊहापोह की स्थिति थी। वजह, उनके खेमे में लखनऊ के कप्तान रहे केएल राहुल भी थे और आरसीबी की कमान संभालने वाले फाफ डू प्लेसिस भी, लेकिन दिल्ली की बागडोर अक्षर पटेल को मिली है। संजू सैमसन लंबे अरसे से राजस्थान रॉयल्स के कप्तान हैं। उनकी कप्तानी में टीम का अच्छा प्रदर्शन रहा है। अब उन्हें कोच के रूप में राहुल द्रविड़ का साथ मिला है। हालांकि टीम से बटलर, चहल और ट्रेंट बोल्ट के जाने की कमी खलेगी, लेकिन सैमसन चाहेंगे कि इस बार वह अपनी टीम से बेस्ट निकालकर दें। फाफ डु प्लेसिस के जाने के बाद आरसीबी के फैन्स चाहते थे कि कप्तानी एक बार फिर विराट कोहली को सौंप दी जाए, लेकिन आरसीबी टीम मैनेजमेंट ने युवा खून के साथ जाने का फैसला किया। ऐसे में रजत पाटीदार को नया कप्तान बनाया है।

शमी-बुमराह को फिटनेस दिलाने वाले पटेल ने लिया पद छोड़ने का फैसला

अब बीसीसीआई जल्द करेगा नए फिजियो की तलाश

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की स्पोर्ट्स साइंस विंग में बड़ा बदलाव होने वाला है, क्योंकि इसके प्रमुख नितिन पटेल ने इस्तीफा देने का फैसला कर लिया है। वह इस माह के आखिर तक ही अपनी सेवाएं देंगे। पटेल भारतीय क्रिकेट टीम और मुंबई इंडियंस के फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में भी काम कर चुके हैं। अब बीसीसीआई जल्द ही उनके स्थान पर नए फिजियो की तलाश शुरु करेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक नितिन पटेल फिलहाल अपना नोटिस पीरियड पूरा कर रहे हैं। उनका कार्यकाल अप्रैल 2022 में शुरू हुआ था, जो अब खत्म होने वाला है। इस दौरान उन्होंने भारतीय टीम के कई दिग्गज खिलाड़ियों की फिटनेस, वर्कलोड मैनेजमेंट की जिम्मेदारी संभाली। नितिन पटेल ने मोहम्मद शमी की वापसी में अहम भूमिका निभाई थी। लंबे समय तक चोटिल रहने के बाद शमी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में शानदार प्रदर्शन कर भारत को खिताबी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा पटेल वर्तमान में जसप्रीत बुमराह के रिहैब का भी नेतृत्व कर रहे हैं, जो बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान चोटिल हो गए थे। उनकी देखरेख में श्रेयस अय्यर और जसप्रीत बुमराह ने 2023 वनडे विश्व कप से पहले फिटनेस हासिल की थी। इस विश्व कप में भारत ने फाइनल तक का सफर तय किया था, जहां श्रेयस अय्यर ने 530 रन बनाए थे और बुमराह ने 20 विकेट लिए थे। पटेल के इस्तीफा देने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने अपने कागजात जमा कर दिए हैं। अब देखना है कि बीसीसीआई इस पद के लिए किसे नियुक्त करता है। जसप्रीत बुमराह अपनी चोट से उबर रहे हैं, और इस बात की अटकलें हैं कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शुरुआती कुछ मैचों से बाहर रह सकते हैं।

20 साल बाद फिर आई लव यू का प्लेकार्ड पकड़े पहुंची प्रशंसक, देखकर हैरान हुए जहीर खान

जहीर आईपीएल 2025 के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कोच बनाये गये हैं

मुम्बई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान के संन्यास लिए हुए काफी समय हो गया पर अभी भी उनके प्रशंसकों की तादाद काफी अधिक है। जहीर आईपीएल 2025 के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कोच बनाये गये है। इसी कारण वह लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कैंप पहुंचे थे।

जहीर जब होटल पहुंचे तो प्रशंसकों और कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उनके कई प्रशंसक भी साथ में नजर आये। इन्हीं में एक ऐसी भी प्रशंसक थी जो आई लव यू लिखा हुआ एक प्लेकार्ड पकड़े हुए थी। जब जहीर को बताया गया कि ये वहीं लड़की थी जोकि 20 साल पहले भारत और पाकिस्तान टेस्ट के दौरान इसी तरह का प्लेकार्ड पकड़े हुए थी तो वह हैरत में पड़ गये। स्वागत वीडियो में, जहीर प्लेकार्ड को देखकर बेहद खुश नजर आये। जहीर को गौतम गंभीर की जगह पर सुपर जायंट्स के कोच की जिम्मेदारी दी गयी है। वह युवा गेंदबाजी लाइनअप के साथ मिलकर काम करेंगे और उन्हें उनकी कमियों को दूर करने की सलाह देंगे। जहीर ने कहा कि लखनऊ आईपीएल में अपेक्षाकृत नई फ्रेंचाइजी है पर इसकी नींव मजबूत है। उन्होंने साथ ही कहा कि इस टीम ने काफी प्रगति की है। प्लेऑफ में पहुंचने की निरंतरता से ये साबित होता है। इससे मेरा भी मनोबल टीम को लेकर बढ़ा हुआ है। अब मैं फ्रेंचाइजी की सफलता में योगदान देने तैयार हूं। इस सत्र में टीम की कप्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत कर रहे हैं।

आईपीएल 2025: सनराइजर्स हैदराबाद से जुड़ने को तैयार रेड्डी

साइड स्ट्रेन की समस्या के कारण जनवरी से बाहर चल रहे थे नीतीश

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के लिए खेलने को पूरी तरह तैयार हैं। साइड स्ट्रेन की समस्या के कारण जनवरी से बाहर चल रहे नीतीश ने अब अपना फिटनेस टेस्ट पास कर लिया हैं और बीसीसीआई फिजियो ने उन्हें खेलने की मंजूरी दे दी है। 21 वर्षीय नीतीश रेड्डी ने आखिरी बार 22 जनवरी को इंग्लैंड के खिलाफ ईडन गार्डन्स में पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। हालांकि, उन्हें बल्लेबाजी या गेंदबाजी का मौका नहीं मिला। इसके बाद, चेन्नई में दूसरे टी20 मैच से पहले नेट्स में अभ्यास के दौरान उनकी चोट बढ़ गई, जिसके कारण उन्हें पूरी पांच मैचों की सीरीज से बाहर होना पड़ा। नीतीश ने

बेंगलुरु में बीसीसीआई के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में फिटनेस टेस्ट पास किया, जिसमें यो-यो टेस्ट भी शामिल था। इससे पहले, आईपीएल 2024 की नीलामी से पहले सनराइजर्स हैदराबाद ने उन्हें 6 करोड़ रुपये में रिटेन किया था।

धोनी का वीडियो देख फैंस ने कहा, लगता हैं बाबा माही ने बॉलर्स को वॉर्निंग दे डाली

आईपीएल 2025 के साथ ही एमएस धोनी के प्रशंसकों का इंतजार बढ़ चुका है

मुंबई (एजेंसी)।

आईपीएल 2025 का आगाज होने वाला है। इसके साथ ही एमएस धोनी के प्रशंसकों का इंतजार बढ़ चुका है। सीएसके नेट्स सेशन से धोनी का ताजा वीडियो सामने आया है।

वीडियो को देखकर लगा रहा इस साल भी धोनी अपना अंदाज बदलने वाले नहीं है। ऐसा लग रहा हैं कि माही ने आईपीएल शुरू होने से ही बॉलर्स को वॉर्निंग दे डाली है कि इस सीजन भी उनकी खैर नहीं। वहीं, वीडियो देखकर फैंस का एक्साइटमेंट बढ़ गया है। लोगों के रिएक्शन से साफ जाहिर है कि उन्हें धोनी को खेलते हुए देखने का किस कदर इंतजार है। धोनी के प्रैक्टिस सेशन का वीडियो एक्स पर आते ही फैंस के कमेंट्स की बहार आ गई है। लोगों ने तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे है। एक यूजर ने लिखा है, सीएसके की पारी का 20वां ओवर। एक अन्य यूजर ने लिखा है कि आईपीएल के अंतिम साल में हम सभी को शायद धोनी की बल्ले से कोई कमाल और देखने को मिले है। कुछ यूजर ने लिखा है थाला दर्शनम और वहीं, एक यूजर ने लिखा है अच्छे टच में नजर आ रहे हैं। बता दें कि धोनी पूरे साल क्रिकेट से दूर रहते हैं। आईपीएल शुरू होने से कुछ कुछ हफ्ते पहले वे नेट्स पर पहुंचते हैं और प्रैक्टिस शुरू करते हैं।

भारत के विस्पी खराडी ने बनाया विश्व रिकॉर्ड, मस्क ने साझा किया वीडियो

खराडी ने 2 मिनट और 10.75 सेकंड तक विशाल पिलर को थामे रखकर सभी को हैरान कर दिया

सूरत (एजेंसी)।

भारत के विस्पी खराडी ने हरक्यूलिस पिलर को सबसे ज्यादा समय तक पकड़ने का नया विश्व रिकार्ड बनाया है। खराडी ने 2 मिनट और 10.75 सेकंड तक विशाल पिलर को थामे रखकर सभी को हैरान कर दिया। इसके लिए उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज हुआ है। ये खंभे 123 इंच ऊंचे थे और इनका व्यास 20.5 इंच था। 166.7 किलोग्राम और 168.9 किलोग्राम वजन वाले इन खंभों को पकड़कर खराडी ने पिछले सभी रिकार्ड तोड़ दिये। उनकी इस उपलब्धि को टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने भी सोशल मीडिया में साझा किया है। खराडी ने इसके बाद सोशल मीडिया में खुशी जताते हुए लिखा कि मस्क ने उनके प्रदर्शन का एक वीडियो साझा किया है जिससे उन्हें बेहद खुशी हुई। इस वीडियो को मूल रूप से गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के आधिकारिक अकाउंट से जारी किया गया था। खराडी ने सोशल मीडिया में लिखा, यह जानकर वाकई बहुत अच्छा लगा कि मस्क ने मेरा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड वीडियो सोशल मीडिया में साझा किया है। मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि एक भारतीय की दुनिया भर में प्रशंसा हो रही है। खराडी के नाम कई ब्लैक बेल्ट और 13 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड शामिल हैं। फिटनेस विशेषज्ञ होने के अलावा वह सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कमांडो को युद्ध का प्रशिक्षण देते हैं। उनके पिछले कुछ रिकॉर्ड में एक मिनट में सबसे ज़्यादा ड्रिंक कैन को हाथ से मसलने का भी रिकार्ड है।

आईपीएल 2025 : इम्पैक्ट प्लेयर नियम से बदलेगी टीमें

22 मार्च से हो रही है लीग, रणनीतियों में होगा बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की शुरुआत 22 मार्च से हो रही है, और इस बार भी इम्पैक्ट प्लेयर नियम सुर्खियों में रहने वाला है। आईपीएल 2023 में पहली बार लागू किए गए इस नियम ने टीमों को एक नई रणनीतिक बढ़त दी थी, जिससे मैच के दौरान किसी भी खिलाड़ी को बदला जा सकता है। इस नियम ने न सिर्फ टीमों के संतुलन को बदला बल्कि कप्तानों को नई रणनीतियां बनाने पर मजबूर कर दिया।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम के तहत, टॉस के बाद हर टीम प्लेइंग इलेवन के अलावा पांच और खिलाड़ियों के नाम देती है। मैच के दौरान इनमें से कोई भी एक खिलाड़ी इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में किसी भी खिलाड़ी की जगह ले सकता है। यह नियम पहले से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में लागू हो चुका था, लेकिन आईपीएल में इसे पहली बार 2023 में आजमाया गया था। इस नियम से कप्तानों को यह लाभ मिला कि वे टॉस के बाद भी अपनी टीम की रणनीति को मैच की परिस्थितियों के अनुसार बदल सकते हैं।

इस नियम का सबसे बड़ा फायदा यह है कि टॉस का प्रभाव कम हो जाता है। कप्तानों को टॉस के समय टीम शीट देने की जरूरत नहीं होती, जिससे वे मैच की परिस्थिति के अनुसार रणनीति बना सकते हैं। हालांकि, इस नियम के कुछ सीमित उपयोग भी हैं। टीमें इस नियम का उपयोग विदेशी खिलाड़ियों की संख्या बढ़ाने के लिए नहीं कर सकतीं।

डब्ल्यूपीएल में जीत के साथ ही मुम्बई इंडियंस ने अपने नाम किए सबसे अधिक खिताब

पुरुष और महिला वर्ग को मिलाकर उसने अलग-अलग लीग में देखें तो अब तक कुल 12 खिताब जीते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नई दिल्ली । मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) के खिताबी मुकाबले मे दिल्ली कैपटल्स को हराकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। अब मुम्बई इंडियंस टी20 क्रिकेट की सबसे सफल टीम बन गयी है। पुरुष और महिला वर्ग को मिलाकर उसने अलग-अलग लीग में देखें तो अब तक कुल 12 खिताब जीते हैं। उसने साल 2008 में आईपीएल में जीत के साथ ही अपना अभियान शुरु किया था। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उसने 2013, 2015, 2017, 2019, 2020 के साथ ही कुल पांच खिताब जीते हैं। उसने साल 2019 और 2020 में लगातार खिताब जीते हैं। अंतरराष्ट्रीय टी20 लीग में भी मुंबई इंडियंस ने दो बार खिताब जीता है। साल 2011 में हरभजन सिंह और 2013 में रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। वहीं महिला प्रीमियर लीग में उसेन 2023, 2025 में जीत के साथ ही दो खिताब अपने नाम किये हैं। मुंबई इंडियंस ने 2023 में शुरू हुई डब्ल्यूपीएल के पहले संस्करण में खिताब जीता था। तब टीम को हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में जीत मिली थी। वहीं अमेरिका में शुरू हुई मेजर क्रिकेट लीग (एमएलसी) में उसे 2023 में एक बार जीत मिली है। इसके अलावा संयुक्त अरब अमीरात में अंतर्राष्ट्रीय लीग टी20 (आईएलटी20) में टीम को साल 2024 में जीत मिली थी। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका में हुए एसए 2025 में मुंबई इंडियंस की सहयोगी टीम, एमआई केप टाउन ने खिताब जीता था।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

भोपाल के 4 आयुष्मान आरोग्य मंदिर नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड सर्टिफाइड

भोपाल। स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता के लिए दिए जाने वाले नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड के तहत भोपाल के 4 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का प्रमाणीकरण हुआ है। नेशनल हेल्थ सिस्टम रिसोर्स सेंटर द्वारा जारी प्रमाणीकरण में आयुष्मान आरोग्य मंदिर ईंटखेड़ी 86.60 प्रतिशत, आयुष्मान आरोग्य मंदिर सूरजपुरा 84.07प्रतिशत, आयुष्मान आरोग्य मंदिर खजूरी सड़क 92.84प्रतिशत और आयुष्मान आरोग्य मंदिर रायपुर 85.82प्रतिशत अंकों के साथ क्वालीफाई हुए हैं। इन संस्थाओं का फरवरी माह में मूल्यांकन हुआ था। जिसमें संस्था के सभी रिकॉर्ड्स एवं रजिस्टर एवं मरीजों को दी जा रही सेवाओं के प्रोटोकॉल के बारे में जानकारी ली गई थी। साथ ही सामुदायिक चिकित्सा अधिकारी, एएनएम, आशा कार्यकर्ता से फील्ड के अनुभवों का फीडबैक एवं स्टाफ की क्षमता आकलन के लिए उनका साक्षात्कार भी लिया गया। मूल्यांकन के दौरान विभिन्न 7 सर्विस पैकेजेस की चेक लिस्ट अनुसार किया गया। जिसमें गर्भावस्था एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल, बाल्यावस्था और किशोर स्वास्थ्य सेवाएं, परिवार कल्याण सेवाएं, असंचारी रोग व संचारी रोग का उपचार एवं प्रबंधन, नवजात देखभाल सहित आउटरीच गतिविधियों एवं सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की जानकारी ली गई थी।

राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस से शुरू हुआ मीजल्स-रुबेला वैक्सीनेशन का कैचअप राउंड

भोपाल। राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के तारतम्य में आज से विशेष कैचअप राउंड संचालित किया जाएगा, जिसमें टीकाकरण कवरेज और मीजल्स व रूबेला बीमारियों के प्रति जागरूकता को बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। भारत सरकार ने साल 2026 तक मीजल्स और रूबेला निर्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एम आर 1 एम आर 2 टीकों का 95त्र कवरेज किया जाना है। 17 मार्च से 22 मार्च तक टीकाकरण जन जागृति सप्ताह के रूप में मनाया जाएगा। इस दौरान जन जागरूकता रैलियां, स्वास्थ्य कर्मियों का उन्मुखीकरण, शपथ कार्यक्रमों, दीवार लेखन, हस्ताक्षर अभियान संचालित किए जाएंगे। सरकार द्वारा 12 गंभीर बीमारियों से बचाव के लिए निशुल्क टीके लगाए जाते हैं। वैक्सीन रोधी बीमारियों की जागरूकता के लिए होली की पूर्व संध्या पर सीएमएचओ कार्यालय में अनूठे अंदाज में होलिका दहन किया गया था। भोपाल सांसद श्री आलोक शर्मा, स्थानीय विधायक श्री भगवानदास सबनानी, नगर पालिक निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, पार्षदगण श्रीमती बृजुला सचान एवं श्रीमती आरती अनेजा सहित गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में टीके न लगवाने से होने वाली बीमारियों की प्रतीकात्मक होली जलाकर स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न सेवाओं की जानकारी दी गई थी। टीकों के प्रति जागरूकता के लिए किए गए इस नवाचार को भारत सरकार द्वारा भी सराहा गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के संयुक्त सचिव द्वारा इसे एक बेहतरीन पहल बताते हुए प्रशंसा की गई है। सांसद श्री आलोक शर्मा द्वारा भी सीएमएचओ कार्यालय की इस कदम की सराहना की गई थी। विधायक श्री भगवानदास सबनानी ने परिजनों से मीजल्स रुबेला सहित सभी टीके निर्धारित समय पर लगवाने की अपील की गई है।

बिजली का बिल घटाने के आसान सुझाव

भोपाल। गर्मी के मौसम में अक्सर बिजली बिल बढ़ जाता है, जिसकी वजह कुछ जरूरी उपकरणों का इस्तेमाल तथा उनके रखरखाव में कमी होती है। जैसे-जैसे पारा चढ़ता है, वैसे-वैसे ए.सी., कूलर, पंखों का इस्तेमाल बढ़ जाता है। ऐसे में आपका बिजली का बिल ना बढ़े, इसके लिए मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कुछ कारगर तरीके सुझाये हैं। ए.सी. इस्तेमाल करने वालों के लिए टिप्स यह है कि वह अपने ए.सी. के टेम्प्रेचर को 27 डिगी पर सेट करें। इससे नीचे टेम्प्रेचर करने पर ए.सी. के कंप्रेशर को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। ए.सी. ज्यादा देर तक चलता है, इसलिए बिजली भी ज्यादा खर्च होती है और आपका बिल ज्यादा आता है। बेहतर होगा कि ए.सी. के साथ-साथ कमरे में पंखा भी चलाएं। ए.सी. के एयर फिल्टर को हर 10-15 दिनों में अच्छी तरह धोकर साफ करें। फिल्टर में धूल जमने में आपको पूरी ठंडक नहीं मिलती और आपको ए.सी. ज्यादा देर तक चलाना पड़ता है। ए.सी. वाले कमरों के खिड़की- दरवाजे ए.सी.चलने के दौरान मजबूती से बंद रखें। यदि दरवाजे-खिड़कियों में झिरियां हों तो उन्हें थर्मोकोल आदि का इस्तेमाल कर सील कर दें।

जनसामान्य की मूलभूत आवश्यकताओं के साथ उनकी आध्यात्मिक उन्नति के लिए भी प्रतिबद्ध है सरकार : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने भिंड स्थित अतिशय क्षेत्र बरासों में सुमेरु पर्वत निर्माण का किया शिलान्यास

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार जनसामान्य की मूलभूत आवश्यकताओं के साथ-साथ उनकी आध्यात्मिक उन्नति के लिए भी कार्य कर रही है। विश्व में भारत की पहचान हमारे आध्यात्मिक विचारों तथा जियो और जीने दो के सिद्धांत को व्यवहार में क्रियान्वित करने से निर्मित हुई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव भिंड में स्थित अतिशय क्षेत्र बरासों में सुमेरु पर्वत निर्माण के शिलान्यास कार्यक्रम को राजकीय विमानतल भोपाल से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। बरासों में 414 फीट ऊंचे सुमेरू पर्वत का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत की ख्याति सबको जीने का हक देने वाले देश के रूप में रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व में, जीवन के सभी क्षेत्रों में गौरव अर्जित कर रहा है। भारतीय ज्ञान परम्परा के आध्यात्मिक तेज के साथ-साथ विश्व में देश की साख और धाक बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में गौ-पालन को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष पहल की जा रही है। प्रदेश में दूध उत्पादन के साथ-साथ दूध के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा रहा है। दुग्ध उत्पादन पर गौ-पालकों को प्रोत्साहन राशि देने की व्यवस्था की गई है। गौ-शालाओं को दिए जा रहे अनुदान को भी बढ़ाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश का स्थान भारत में तीसरा है, हमारा प्रयास प्रदेश को देश में नंबर वन बनाने का है। दूध पर 5 रूपए प्रति लीटर बोनस की व्यवस्था की जाएगी, इससे कृषकों की आय बढ़ेगी और समाज सम्पन्न होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बरासों में बनाए जाने वाले स्कूल, कॉलेज, अस्पताल सहित अन्य जनकल्याण कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा नई शिक्षा नीति के माध्यम से ज्ञानार्जन के क्षेत्र में भी विशेष नवाचार किए गए हैं।

कर्नाटक में सरकारी कार्यों में धर्म आधारित आरक्षण निंदनीयः डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कर्नाटक में कांग्रेस सरकार द्वारा शासकीय कार्यों में ठेकेदारों के लिए धर्म आधारित आरक्षण की व्यवस्था पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार द्वारा शासकीय कार्यों में ठेकेदारों को धर्म आधारित आरक्षण की व्यवस्था का प्रावधान करना अनुचित एवं निंदनीय है। लोकतांत्रिक देश में इस तरह किसी धर्म विशेष को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से नियम-प्रावधान कैबिनेट से पास कर लागू करना, यही कांग्रेस का अनैतिक चरित्र है। सीएम ने कहा कि दलित, पिछड़े और समाज के वंचित लोगों के उत्थान के लिए भाजपा की केंद्र सरकार निरंतर काम कर रही है, जिससे सभी वर्गों को समाज में पूर्ण सम्मान और अधिकार मिल सके। इतिहास साक्षी है कि कांग्रेस ने हमेशा संविधान के मूल्यों का सम्मान करने की बजाय जातिगत पक्षपात और समाज के विभिन्न वर्गों में भेदभाव की भावना पैदा करने में मुख्य योगदान दिया है। कांग्रेसी भारत जोड़ो नहीं, भारत तोड़ो की विचारधारा पर काम कर रहे हैं और कर्नाटक सरकार का यह फैसला इसी अपशिष्ट राजनीति का उदाहरण है। इस तरह के धर्म आधारित फैसलों के विरुद्ध पूर्व में भी कई बार माननीय न्यायालयों द्वारा निर्णय दिए गए हैं और इस बार भी कांग्रेस सरकार का यह फैसला न्यायालय में नहीं टिक पाएगा।

विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है ग्वालियरः तोमर

ऊर्जा मंत्री तोमर ने उप नगर ग्वालियर में किया विकास कार्यों का लोकार्पण

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने रविवार को उप नगर ग्वालियर के वार्ड 2 में 60 हार्सपावर मोटर का लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने ग्वालियर को स्वच्छ, सुन्दर, प्रदूषण मुक्त और नशा मुक्त बनाने पर जोर देते हुए कहा कि आपका यह सेवक आप सभी के मान सम्मान में किसी तरह की कोर कसर नहीं छोड़ेगा।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा हमारा ग्वालियर बदल रहा है, अब ग्वालियर को स्वच्छता में नम्बर वन बनाना है। उन्होंने कहा कि आप सभी साहैं कि पहले ग्वालियर उप नगर की क्या स्थिति थी, लेकिन आप सभी के आशीर्वाद और सहयोग के कारण ग्वालियर की तकदीर और तस्वीर बदली है। वह समय अब दूर नहीं है, जब ग्वालियर का नाम पूरे सम्मान के साथ विकसित शहरों की श्रेणी में लिया जाएगा।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ग्वालियर उप नगर के वार्ड 2 में 22 लाख रूपये की लागत से सत्यनारायण की टेकरी पर 60 हॉर्स पावर मोटर का लोकार्पण करते हुए कहा कि इस परियोजना के माध्यम से सत्यनारायण टेकरी पहाड़ी पर पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। इससे क्षेत्रवासियों को पर्याप्त पानी मिलेगा।

मऊगंज में जान गंवाने वाले एएसआई राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई, आठ माह बाद था रिटायरमेंट

मऊगंज। एएसआई रामचरण गौतम, जो आठ महीने बाद रिटायर होने वाले थे, कर्तव्य निर्वहन के दौरान शहीद हो गए। उनकी मौत से पूरा परिवार सदमे में है। अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ हुआ।

मुख्यमंत्री ने शहीद का दर्जा, परिजन को सरकारी नौकरी और एक करोड़ रुपये सहायता देने की घोषणा की। मध्य प्रदेश के मऊगंज जिले में शनिवार को हुए घटनाक्रम का असमय शिकार बने एएसआई रामचरण गौतम का आठ महीने बाद रिटायरमेंट था। उनका पूरा परिवार इस बात से बेहद खुश था कि अब वह आने वाले समय में अपने परिवार

के साथ रहकर रिटायरमेंट की खुशियां मनाएंगे। मगर, अफसोस रिटायरमेंट से पहले उस परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा और उन्हें अपने कंधों पर अर्थी उठानी पड़ गई। शहीद सम्मान के साथ उनके शव को गृह ग्राम कोठी थाना क्षेत्र के पवैया पहुंचाया गया, जहां अंतिम संस्कार किया गया। बड़े बेटे ने उन्हें मुखाग्नि दी।

मुख्यमंत्री ने पुलिस टीम पर हमले में एएसआई के शहीद होने पर दुःख व्यक्त किया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मऊगंज जिले में शाहपुर थाना क्षेत्र के गड़रा गांव में दो गुटों के आपसी विवाद की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस टीम पर हमले में पुलिस के एएसआई के शहीद होने पर दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि राज्य सरकार की शोक संवेदनाएं शोककुल परिजनों के साथ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डीजी पुलिस को मौके पर पहुंचकर पर्यवेक्षण के लिए निर्देशित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमानवीय एवं दुर्भाग्यपूर्ण घटना के सभी आरोपियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने भूपेन्द्र यादव के पिता के निधन पर दी श्रद्धांजलि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार सुबह केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव के गुरुग्राम, जमालपुर पहुंचकर उनके पिता कदम सिंह के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने स्व. यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने भी श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

अस्पताल परिसर में कुत्ते नोंच रहे थे नवजात का शव

गर्दन कर दी थी धड़ से अलग, अब पुलिस जुटी जांच में

खरगोन। मध्यप्रदेश के खरगोन जिला अस्पताल परिसर में बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है। यहां आवारा कुत्ते एक मृत नवजात शिशु के शव को बुरी तरह नोंचते हुए जिला अस्पताल परिसर में लेकर पहुंचे थे। यही नहीं, इस दौरान आवारा कुत्तों ने उस नवजात शिशु के शव की गर्दन नोंचकर अलग कर दी थी। इसके बाद नवजात का शव इस तरह से क्षत विक्षत हालत में मिलने से हड़कंप मच गया।

आशंका है कि, जिला अस्पताल के मैटरनिटी वार्ड में हुई डिलीवरी के बाद किसी ने नवजात शिशु के शव को खुले में फेंक दिया होगा। इधर सूचना मिलते ही जैतापुर थाना पुलिस भी जिला अस्पताल पहुंची। इसके बाद पुलिस ने नवजात के शव को पीएम रूम तक पहुंचाया। पुलिस अब मैटरनिटी वार्ड में पूछताछ में जुट गई है। इस पूरी घटना को लेकर जैतापुर पुलिस चौकी प्रभारी सुदर्शन ने बताया कि पुलिस को जिला अस्पताल परिसर में एक नवजात

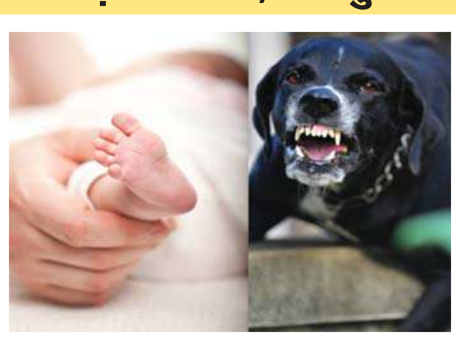

शिशु के शव के क्षत-विक्षत अवस्था में पड़े होने की सूचना मिली थी।

सूचना पर पुलिस तत्काल जिला अस्पताल पहुंची और शव को अभिरक्षा में लिया। इसके बाद नवजात के शव को सुरक्षित पोस्टमार्टम रूम तक भिजवाया गया है और इस मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। जांच में लापरवाही सामने आने पर वैधानिक कार्यवाही भी की जाएगी। हालांकि प्राथमिक रूप से नवजात की हालत देखकर लग रहा है कि आवारा कुत्तो ने ही नवजात को क्षत विक्षत किया होगा।

इधर जिला अस्पताल के प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. डीएस चौहान ने बताया कि फिलहाल हम अस्पताल के सभी वार्डों में से मालूम कर रहे हैं कि एक किलो के आसपास का बच्चा यहां डिलीवर हुआ है या नहीं, लेकिन शुरुआती पूछताछ में तो अस्पताल में इतने वजन का बच्चा डिलीवर होना सामने नहीं आया है। वहीं लापरवाही के सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी तो हम पता ही लगा रहे हैं कि किसी ने बाहर से यहां लाकर बच्चे का शव फेंका तो नहीं है। यह तो फिर जांच के बाद ही मालूम चलेगा कि कहां लापरवाही हुई है और किसके द्वारा की गई है। लापरवाही सामने आने पर कार्रवाई भी की जाएगी।

प्रदेश के नगरों के सुव्यवस्थित विकास के लिये महत्वपूर्ण निर्णय

2 मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के गठन की कार्यवाही

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में औद्योगिक विकास और निवेशकों को बढ़ावा देने के साथ-साथ नगरों के सुव्यवस्थित विकास के लिये महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये हैं। राज्य में 2 मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र (महानगर) की कार्यवाही नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा की जा रही है। पहला मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र इंदौर-उज्जैन-देवास और धार को मिलाकर विकसित करने की कार्यवाही चल रही है। इसी प्रकार दूसरा मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र भोपाल-सीहोर-रायसेन-विदिशा-ब्यावरा (राजगढ़) को मिलाकर विकसित करने की कार्यवाही चल रही है। इनके गठन से मध्यप्रदेश को एक आर्थिक विकास केन्द्र के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

क्षेत्रीय आर्थिक विकास केन्द्र

केन्द्र सरकार के विजन के अनुरूप, राज्य के प्रमुख संभाग मुख्यालय ग्वालियर, सागर, रीवा, जबलपुर, नर्मदापुरम और शहडोल को क्षेत्रीय आर्थिक विकास केन्द्र (रीजनल इकॉनामिक ग्रोथ हब) के रूप में विकसित किया जा रहा है। राज्य सरकार का यह प्रयास प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ-साथ रोजगार, व्यापार और निवेश के नये अवसरों को भी बढ़ावा देगा।

टीडीआर पोर्टल

प्रदेश की नगरीय क्षेत्र की भूमि बहुमूल्य संसाधन है, जिसका सुव्यवस्थित उपयोग शहरी विकास के लिये अति आवश्यक है। इसी को ध्यान में रखते हुए टीडीआर (ट्रांसफर ऑफ डेवलपमेंट राइट्स) नियम बनाये गये हैं। इन नियमों के क्रियान्वयन के लिये ऑनलाइन प्रक्रिया निर्धारित की गयी है। ऑनलाइन प्रक्रिया के लिये टीडीआर पोर्टल तैयार किया गया है। यह पोर्टल भवन निर्माताओं और सम्पत्ति मालिकों को विकास अधिकारों के हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करता है। इससे उन्हें मुआवजे के रूप में अतिरिक्त निर्माण क्षमता प्राप्त होती है।

ग्रीन एफएआर कॉन्सेप्ट

ग्रीन एफएआर कॉन्सेप्ट को इंटीग्रेटेड टाउनशिप पॉलिसी के अंतर्गत हरित क्षेत्र, वूडेड क्षेत्र और सिटी फॉरेस्ट के विकास के लिये प्रस्तुत किया गया है। यह कॉन्सेप्ट न केवल शहरी सौंदर्य को निखारेगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

इंटीग्रेटेड टाउनशिप पॉलिसी

राज्य सरकार ने सतत शहरी विकास को प्रोत्साहित करने के लिये इंटीग्रेटेड टाउनशिप पॉलिसी-2025 बनायी है। इस नीति का उद्देश्य निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की भागीदारी के माध्यम से सुव्यवस्थित, आधुनिक और आत्मनिर्भर टाउनशिप विकसित करना है। यह नीति बेहतर बुनियादी सुविधाएँ, हरित आवासीय क्षेत्र और स्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देगी। इस नीति में लैण्ड पूलिंग कॉन्सेप्ट को भी अपनाया गया है, जिससे भूमि स्वामियों को उचित मुआवजे के साथ विकास में भागीदारी का अवसर मिलेगा। प्रदेश में भवन निर्माण की अनुमति को प्रक्रिया को पारदर्शी और जवाबदेही व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के लिये ऑटोमेटिक बिल्डिंग परमीशन और अप्रूवल सिस्टम विकसित किया गया है। प्रदेश में अब तक 2 लाख 60 हजार आवेदनों को स्वीकृत किया गया है।

जबलपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस में कपलिंग टूटने से यात्रियों में मचा हड़कंप

शहडोल। कटनी-सिंगरौली रेल मार्ग पर ब्योहारी रेलवे स्टेशन के पास सिंगरौली-जबलपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस में एक गंभीर तकनीकी समस्या सामने आई। ट्रेन के दो डिब्बों के बीच लगी कपलिंग अचानक टूट गई, जिससे यात्रियों को जोरदार झटका लगा और उनमें घबराहट फैल गई। इस घटना ने रेलवे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही यात्रियों ने रेलवे विभाग को सूचित किया। ट्रेन के पायलट ने तत्परता दिखाते हुए इमरजेंसी ब्रेक लगाए, जिससे ट्रेन दो हिस्सों में बंटने से बच गई। ट्रेन के रुकते ही रेलवे विभाग की तकनीकी टीम घटनास्थल पर पहुंची और कपलिंग बदलने का कार्य शुरू किया।

घबराए यात्री, रेलवे की त्वरित कार्रवाई

घटना के समय ट्रेन में सफर कर रहे एक यात्री ने बताया, अचानक तेज झटका लगा और हमें लगा कि कुछ गंभीर हुआ है। शुक्र है कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। रेलवे के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, इस तरह की घटनाएं दुर्लभ होती हैं, लेकिन हम सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। हमारी टीम ने तुरंत समस्या को हल कर दिया।

नियमित निरीक्षण की जरूरत

विशेषज्ञों के अनुसार, इस प्रकार की तकनीकी समस्याएं कभी-कभी हो सकती हैं, लेकिन नियमित निरीक्षण और रखरखाव से इन्हें रोका जा सकता है। रेलवे विभाग ने यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भविष्य में और अधिक सतर्कता बरतने का आश्वासन दिया है।

दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस नेताओं को दी नसीहत

मंच की लड़ाई समाप्त करो और जनता के लिए आवाज उठाओ

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस में जहां गुटबाजी हावी है, वहीं मंच पर चढ़ने की होड़ भी लगी रहती है। पिछले दिनों भोपाल में किसान कांग्रेस के मंच पर भीड़ बढ़ने से मंच टूट गया था और कई नेता घायल हो गए थे। इसे लेकर जहां बीजेपी लगातार कांग्रेस को घेर रही है, वहीं अब मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस नेताओं को आपस में नहीं लड़ने और गुटबाजी से दूर रहने की नसीहत दी है। दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर एक

पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा कि कांग्रेस के साथियों, मंच की लड़ाई समाप्त करो और जनता के लिए महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज, उठाओ लड़ाई लड़ो। जानकारी के लिए बतादें कि किसान कांग्रेस बजट सत्र के पहले दिन बीजेपी सरकार के खिलाफ कई मुद्दों को लेकर प्रदर्शन कर रही थी। इस दौरान भोपाल के रंगमहल चौराहे पर आयोजित कार्यक्रम में मंच पर भारी भीड़ जमा हो गई थी, जिसके चलते मंच गिर गया था। मंच टूटने से कई नेताओं को चोटें आईं, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान भी घायल हुए थे। प्रदर्शन में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी सहित कई कांग्रेसी नेता शामिल हुए थे। कांग्रेस के कार्यक्रम में मंच गिरने की पहली घटना नहीं है। इसके पहले भी राष्ट्रीय और केंद्रीय नेताओं के कार्यक्रम के लिए बनाए गए मंच नेताओं की संख्या क्षमता से अधिक होने के कारण गिर चुके हैं।